राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 भारत के लिए यह मेरा आखिरी टी-20 मैच था- विराट कोहली | सम्पादकीय खुशी का पैगणना में .. | शेयर बाजार में अगले हफ्ते तेजी का अनुमान 5

वर्ष 11 अंक 39 | E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, सोमवार 01 जुलाई 2024 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

ब्रिटिश काल के कानूनों का होगा अंत, आज से लागू होगी भारतीय न्याय संहिता

नई दिल्ली। तीन नए आपराधिक कानून सोमवार से देशभर में लागू हो जाएंगे, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो जाएगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमशः भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे। नए कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें 'जीरो एफआईआर, पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, 'एसएमएस (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों में कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और अपराधों से निपटने का प्रयास किया गया और संविधान में निहित आदर्शों को ध्यान में रखते हुए इनसे प्रभावी रूप से निपटने का एक तंत्र मुहैया कराया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानून न्याय मुहैया कराने को प्राथमिकता देंगे जबकि अंग्रेजों (देश पर ब्रिटिश शासन) के समय के कानूनों में दंडनीय कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने कहा, ''इन कानूनों को भारतीयों ने, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाया गया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में कहा - मां के नाम पर पेड़ लगाएं

पेरिस ओलिंपिक के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 4 महीने बाद रेडियो प्रोग्राम मन की बात की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस पर बात की।

पीएम ने 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलिंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस बार ओलिंपिक में कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। खिलाड़ी भी अलग लेवल का रोमांच दिखाएंगे। इससे पहले मन की बात 110वां एपिसोड फरवरी में टेलिकास्ट हुआ था। तब पीएम मोदी ने कहा था

कि राजनीतिक मर्यादा के चलते लोकसभा चुनाव के दौरान 3 महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा।

लोकसभा चुनाव पर - देशवासियों और चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि जनता ने संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। हूल दिवस पर - आदिवासियों के हूल दिवस पर कहा कि यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के साहस से जुड़ा है इन्होंने विदेशी शासकों का विरोध किया था। साथ ही झारखंड के संथाल परगना से हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों से 1855 में विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठाए थे।

पेरिस ओलिंपिक पर - 26 जुलाई से शुरू हो पेरिस ओलिंपिक में जाने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने के जरिए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की। पीएम ने कहा कि हमारे खिलाड़ी टोक्यो ओलिंपिक के बाद से ही तैयारियों में जुटे थे, इसलिए इस बार कुछ चीजें पहली बार देखने मिलेंगी। पर्यावरण दिवस पर - विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए अभियान एक पेड़ मां के नाम का जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैंने भी एक

विशेष संपादकीय

जीत की ख़ुशी, संन्यास का ग़म

चन्द्रप्रकाश शिवहरे

प्रधान संपादक

भारतीय क्रिकेट टीम के सितारों ने बीती रात्रि को टी-20 विश्वकप प्रतियोगिता के फाइनल में अपने शानदार खेल का मुजायरा करते हुए भारत को 07 रनों से शानदार जीत दिलाई। अजेय रही भारतीय टीम ने जैसे ही विश्वकप का खिताब जीता 140 करोड़ लोग खुशी के मारे उछल पड़े। इण्डिया टीम के इस खेल में सभी ने अपना कुछ न कुछ योगदान दिया। किसी ने रन के माध्यम से अपना सहयोग दिया तो किसी ने बॉलिंग के माध्यम से, किसी ने फील्डिंग के माध्यम से टीम वर्क में अपना सहयोग किया। इस जीत का श्रेय किसी एक को देना उचित नहीं है। वैसे भी क्रिकेट टीम का खेल है। इसमें हार-जीत का पूरा श्रेय टीम को ही जाता है। इस मौके पर अनेक भारतीय क्रिकेटरों की आँखों में खुशी के आँसू छलक रहे थे, अनेक प्रशंसक स्टेडियम में रोते हुए नज़र आये। इतना ही नहीं कॉमेंट्री बॉक्स में इरफान पठान जो कि कॉमेंट्री कर रहे थे वे भी अपनी खुशी के आँसुओं को नहीं रोक सके। लम्हा कुछ ऐसा ही था। सभी लोग अपने-अपने तरीके से इण्डिया की जीत पर खुशी प्रकट करते हुए देखे गए। कोई आँसुओं के माध्यम से तो कोई भारत माता की जय के नारों के माध्यम से तो कोई आतिशबाजी चलाकर अपनी खुशी का इज़हार कर रहा था। मगर इसी खुशी के मध्य सबसे पहले किंग कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। यह क्रम यही नहीं रुका कुछ देर बाद ही भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी टी-20 क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। दूसरे दिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने भी टी-20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया। खुशी के बीच में संन्यास की खबर क्रिकेट प्रेमियों को अच्छी नहीं लगी। हालांकि इन तीनों क्रिकेटरों का यह निर्णय उचित समय पर उठाया गया उचित कदम है। यह बात सही है कि अब हमें ये तीनों खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलते हुए नहीं दिखेंगे लेकिन इनके स्थान पर तीन युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा, यह अच्छी बात है। टीम इण्डिया की जीत पर मैं बधाई देना चाहता हूँ क्रिकेट टीम, क्रिकेट प्रबंधन, क्रिकेट प्रेमियों व देश के 140 करोड़ आवाम को और मैं यह कहना चाहता हूँ कि विराट, रोहित व जडेजा ने टी-20 को अलविदा ज़रूर कह दिया है, वे अब मैदान में नहीं दिखेंगे लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में वे हमेशा टी-20 क्रिकेट क्रिकेट खेलते रहेंगे। क्योंकि खेल प्रेमियों के दिलों से कोई कभी संन्यास नहीं ले सकता। मैं यह भी आशा करता हूँ कि भारतीय टीम आने वाले समय में अपने प्रदर्शन को इसी तरह बरकरार रखेगी और देश का नाम विश्व के क्रिकेट पटल पर इसी तरह रोशन करती रहेगी।

पैकेजिंग मैटेरियल पर जीएसटी दर में कमी कपड़ा बाजार को बूस्टअप करेगाः एसजीटीटीए

कपड़ा व्यापार में इंश्योरेंस को लेकर व्यापारियों को सचेत करेगा एसोसिएशन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सूरत। साउथ गुजरात टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन (एसजीटीटीए) की बोर्ड मीटिंग शनिवार को रिंग रोड कोहिनूर हाउस स्थित एसोसिएशन के कार्यालय में की गई। मीटिंग में मई-जून में कपड़े की मांग पर संतोष जताया गया, वहीं जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में पैकेजिंग मैटेरियल पर जीएसटी 18 फीसदी से कम होने की सम्भावना का स्वागत किया गया। बोर्ड मीटिंग में डायरेक्टर्स ने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे कपड़ा बाजार को बूस्ट अप मिलेगा। एसोसिएशन देशावर समेत सूरत के कपड़ा व्यापारियों को उत्पादित कपड़ा का इंश्योरेंस करने को लेकर जागरूक भी करेगा।

बोर्ड मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार जैन ने कहा कि इस वर्ष मई-जून में कपड़ा बाजार में ग्राहकी अपेक्षा से कहीं अधिक नजर आई। पिछले वर्षों की तुलना में इस साल कपड़ा व्यापार बढ़िया रहा जिससे बाजार में पॉजिटिविटी देखने को मिली। तीज-त्योहारों पर ग्राहकी अच्छे रहने के संकेत हैं, किन्तु इस बार चिंता की बात है कि जून में ही ग्रे की कीमत में जिस प्रकार से उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शेयर मार्केट की तरह ग्रे का बाजार जिस प्रकार चल पड़ा है, उसे देखते हुए हम सभी को आगे की तैयारियां संभल-संभल कर खरीदी करने की आवश्यकता है। एक समय के अंतराल में ग्रे बाजार वापस नीचे आता ही है। आपने कहा कि जीएसटी के वर्ष 2017, 2018, 2019 और 2020 के समय के नोटिस जो भी आए हैं, उसकी पेनाल्टी जीएसटी काउंसिल की ओर से निरस्त कर दी गई है। ट्रेडर्स की जमा जीएसटी का इनपुट मिलना शुरू हो गया है।

यह सभी व्यापारियों के लिए राहत भरी खबर है। जैन ने कहा कि पैकिंग मटेरियल पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर सम्भावित 12 फीसदी होने के समाचार के नोटिफिकेशन का सभी को इंतजार है। सूरत के कपड़ा बाजार पर पैकिंग मटेरियल पर 18 फीसदी का जीएसटी बहुत बड़ा बोझ है, जिसके अब कम होने की उम्मीद जगी है। बोर्ड मीटिंग में डायरेक्टर्स ने सुझाव देते हुए चिटिंग की घटनाओं को लेकर चिंता जताई। डायरेक्टर्स ने विचार व्यक्ति किया कि आज के दौर में व्यापार बेहद सावधानी से करने की जरूरत है। कपड़ा बनाते और बेचते दोनों समय व्यापार करने वाले व्यक्ति की पूरी पुख्ता जानकारी यानी पैन कार्ड, आधार कार्ड के अलावा स्थायी अड्रेस आदि सभी लेना बेहद जरूरी हो गया है। मीटिंग में सभी डायरेक्टर एक बात पर सहमत हुए कि देशावर के सभी व्यापारियों को सचेत करने की जरूरत है कि उनका गोदाम, शॉप और जिस ट्रांसपोर्टेशन से कपड़ा भेजते हैं, इन्स्योरेंस लेने की जरूरत है। आग की चपेट में आने पर पॉलिसी होने पर बहुत बड़ा सपोर्ट मिलता है। पॉलिसी लेते समय इसकी बारीकी से समझने की जरूरत है, कि कौन-कौन से रिस्क कवर हो रहे हैं। बोर्ड मीटिंग का संचालन एसजीटीटीए के महामंत्री सचिन अग्रवाल, संकलन उपाध्यक्ष सुनील मित्तल और आभार संतोष माखरिया ने जताया, साथ ही नितिन गर्ग, प्रहलाद गर्ग, सुरेन्द्र जैन, विनोद अग्रवाल ने भी मीटिंग को सम्बोधित किया।

'श्रीमत्परब्रह्म गुरुं स्मरामि, श्रीमत्परब्रह्म गुरुं वदामि। श्रीमत्परब्रह्म गुरुं नमामि, श्रीमत्परब्रह्म गुरुं भजामि ।।'

महामण्डेश्वर स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरि जी की पंचम पुण्य स्मृति पर स्वामी अवधेशानंद जी के सानिध्य में भजन संध्या का आयोजन हुआ

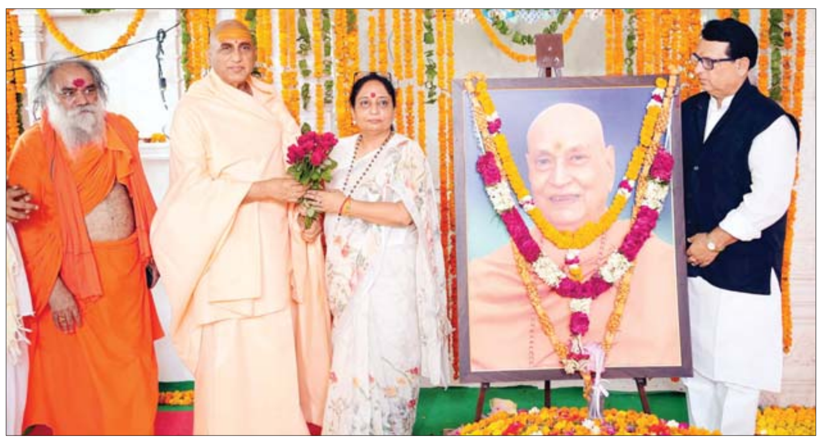

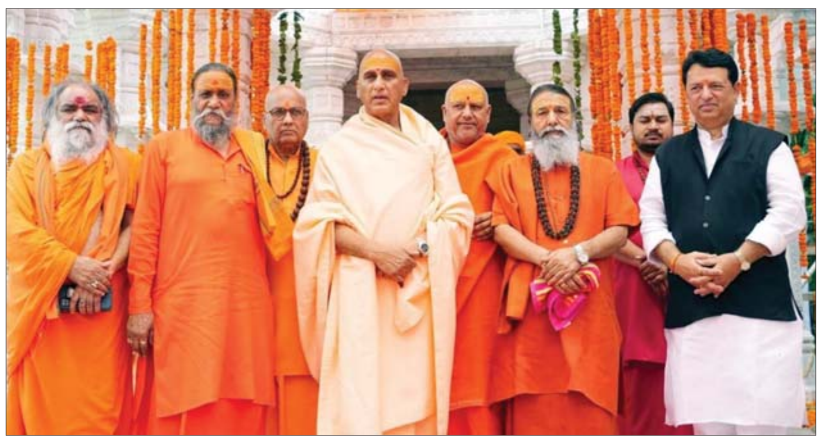

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। गत दिवस भारतमाता जनहित सेवा ट्रस्ट, 'राघव कुटीर', हरिपुर कलां, हरिद्वार में श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज के पावन सानिध्य एवं अध्यक्षता में अध्यात्म जगत की शिखरस्थ व दिव्य सत्ता, परम आदर्श, भाष्यकार भगवान भगवद्पादाचार्य आद्य शंकराचार्य की परम्परा के परम प्रकाशक, सनातन संस्कृति के उन्नायक, आर्षविद्या के प्रखर स्वर, समन्वय मंत्र के प्रसारक, प्रस्थानत्रयी की सारितामृत धारा, करुणामूर्ति श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ अनन्त श्रीविभूषित निवृत जगद्गुरु शंकराचार्य ब्रह्मलीन पूज्यपाद परम गुरुदेव महामण्डलेश्वर श्री स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि जी महाराज का दो दिवसीय 'पञ्चम पुण्य स्मृति - समाधि दिवस' बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर 'राघव कुटीर' स्थित पूज्य परम गुरुदेव जी की पादुकाओं का पूजन किया गया श्री रामचरितमानस का अखण्ड पाठ, सन्त-सम्मेलन तथा राष्ट्र आराधन के अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजन हुआ जिसमें अनेक सन्त मण्डलियाँ तथा हरिद्वार के अनेक वरिष्ठ सन्त पधारे।

ब्रह्मलीन प्रातःस्मरणीय परमगुरुदेव जी का स्मरण करते हुए स्वामी जी ने कहा कि 'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम् ..।' भारतवर्ष का सनातन वैदिक संस्कृति हमेशा समन्वय की बात करता है। जो 'आत्मनः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत ...'। 'आत्मवत् सर्वभूतेषु .. की बात करता है। पूरा विश्व अब सनातन संस्कृति की बात करता है। इसी सनातन संस्कृति को विस्तृत करने के उद्देश्य से पूज्य गुरुदेव जी ने विदेशों की अनेक यात्राएँ की। राष्ट्र के उत्कर्ष हेतु विभिन्न विचार धाराओं में पारस्परिक समन्वय, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता के प्रसार हेतु पूज्य गुरुदेव ने विश्व प्रसिद्ध 'भारत माता मन्दिर' की स्थापना की। राष्ट्र का सर्वविध अभ्युदय और सामाजिक एकजुटता ही भारत माता मन्दिर की संस्थापना का मूल ध्येय था। भगवान भाष्यकार भगवद्पादाचार्य आद्य शंकराचार्य के सन्देश को सम्पूर्ण विश्व में प्रसारित करने वाले ब्रह्मलीन परम गुरूदेव जी ने विश्व के अनेक देशों में परिभ्रमण कर सनातन मूल्यों का प्रचार-प्रसार कर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों का संरक्षण संपोषण किया ! उन्होंने 'उदार चरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम् ..' जैसी दिव्य जीवन मूल्यों को अपने आचरण से उपदेशित किया है, आज भले ही उनकी दिव्य देह न हो, पर वह गुरुसत्ता नित्य चैतन्य है तथा हरपल हमारे साथ है।

÷पूज्य प्रभुश्री जी÷ ने कहा कि सत्पुरुष ही तीर्थ का निर्माण करते हैं, तीर्थ तारण करते हैं और तारण का अर्थ जगत से उद्धार है। जगत के दुःखों से अलग जाने के लिए जहाँ से सामर्थ्य मिलती है, मान-अपमान, सुख-दुःख, जय-पराजय आदि। इस जगत के विकारों का मूल अविद्या ही है। यदि विवेक न हो, विचार न हो तो व्यक्ति राग-द्वेष में ही रहता है। हमें भय इसलिए लगता है। हमारे अज्ञान और इसी अज्ञान के द्वारा निर्मित हमारी मान्यताएँ ही हमारे दुःख का कारण है। हमारे दुःखों के अनेक कारणों में से अज्ञान प्रमुख कारण है। अज्ञान को चुनौती देने वाली करुणा से भरी दिव्य सत्ता का नाम है - गुरु।

स्वामी जी ने कहा कि भूमि अर्थात् 'अपनी जड़ से जुड़े रहना', अपने मूल से जुड़े रहना। भेष यानी 'अपनी पर्व-परम्पराओं से जुड़े रहना',

'तस्मात् सर्वेषु कालेषु' अर्थात् हरपल ईश्वरीय स्मृति में रहकर 'भज सेवायाम..' यानी भजन सेवा करना। योगवशिष्ठ, भगवद गीता और उपनिषद जैसे यथार्थ ग्रन्थों से जुड़े रहें। जो ग्रन्थियाँ खोल दे, वे ग्रन्थ है ! उस वस्तु को अवश्य जानें जो अविनाशी है, जिससे यह सम्पूर्ण जगत् व्याप्त है। इस अव्यय का नाश करने में कोई भी समर्थ नहीं। अतः अपने अविनाशी तत्व को जानें।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड विधानसभा की अध्यक्षा श्रीमती ऋतु खंडूरी, उत्तराखण्ड सरकार के वित्तमंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, हरिद्वार के पूर्व-विधायक एवं पूर्व-कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, जयराम आश्रम के प्रमुख श्री ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी जी, महामण्डलेश्वर स्वामी श्री हरिचेतनानन्द जी महाराज, स्वामी श्री देवानन्द जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी श्री यतीन्द्रानन्द जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी श्री प्रबोधानन्द जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानन्द गिरि जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ललितानन्द गिरि जी महाराज, प्रो. महावीर अग्रवाल कुलपति पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतमाता जनहित सेवा ट्रस्ट के सचिव आई.डी. शास्त्री, स्वामी श्री कैलाशानन्द गिरि जी, संस्था के प्रमुख न्यासीगण, उदय नारायण पाण्डेय, हरिहर जोशी सहित समस्त अधिकारीगण, आश्रम के आचार्य एवं बटुक ब्राह्मणगण, आश्रम के अन्तःवासी तथा देश-विदेश से पधारे बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रही।

सुचिता, समर्पण के साथ लाखों शिक्षकों का भरोसा शिक्षक संघ की ताकतः प्रांताध्यक्ष डॉ. राठौड़

मप्र शिक्षक संघ की संभागीय बैठक संगठन विस्तार, सदस्यता व शिक्षा, शिक्षक, छात्र हित में तैयार की कार्ययोजना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मप्र शिक्षक संघ ग्वालियर, चम्बल संभाग की संभागीय बैठक का आयोजन रविवार को एक निजी होटल में किया गया। बैठक में संभागीय कार्यकारिणी के अलावा सभी जिलों के अपेक्षित पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर , महामंत्री राकेश कुमार गुप्ता विशेषतौर पर शामिल हुए। और संगठनात्मक गतिविधियों, संगठन विस्तार, शिक्षक समस्याओं एवं वार्षिक सदस्यता पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक का पाथेय प्राप्त हुआ। प्रांताध्यक्ष डॉ. राठौड़ ने कहा कि मप्र शिक्षक संघ शिक्षा, छात्र, शिक्षकों के हितों के लिए हर स्तर संघर्ष के लिए तैयार रहने वाला संगठन है। विभागीय अधिकारी शिक्षकों की मांगों को गंभीरता से निपटाए। डॉ. राठौड़ ने कहा कि संगठन की रीति-नीति का अनुशरण करते हुए पदाधिकारी सुचिता, पारदर्षिता एवं समर्पण के साथ कार्य कर संगठन को मजबूत करें। संगठन विस्तार की दिशा में हमें मिलकर काम करना होगा। संघ की शक्ति हमारी एक जुटता, और प्रदेश के शिक्षकों के विश्वास में परिणित होती है। वार्षिक सदस्यता के लक्ष्यों से बढकर अधिक से अधिक नए सदस्य

जोड़ने के कार्य में जुट जाएं। महामंत्री राकेश गुप्ता ने शिक्षकों की समस्याओं व बैठक कार्यवाही का संकलन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक संघ इसके लिए लगातार वरिष्ठ अधिकारियों व विभागीय मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री से संपर्क में है। संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों की कई लंबित प्रकरणों जैसे अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश देरी सहायक शिक्षक, शिक्षकों, व्याख्याताओं को समयमान देने का मामला आज भी ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। 35-40 साल की सेवा के मिल रहा उच्च पदनाम देने प्रारंभ हुई पदनाम की प्रक्रिया अपनी सुस्त चाल के कारण फिर सवालों के घेरे में है। इसे जल्द पूरा किया जाए, जिससे इसका लाभ शिक्षकों को मिल सके। 12 व 24 वर्ष पर क्रमोन्नति के आदेश शासन स्तर पर कई महीने पहले हो चुके पर धरातल पर स्थिति गंभीर बनी हुई है। हजारों शिक्षक क्रमोन्नति की बाट जोह रहे हैं। इन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता से होना चाहिए। इसके जरूरत पड़ी तो आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। अनुकंपा नियुक्ति प्रक्रिया का सरलीकरण करना जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया है कि आश्रित परिवार को इस पूरी प्रक्रिया में लंबा इंतजार करना पड़ता है। जिसके कारण जिस उद्देश्य से अनुकंपा नियुक्ति होती है वह उद्देश्य कही न कही प्रभावित होता है। लंबत 4 प्रतिशत डीए भुगतान, पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी की गई हैं। सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश नियमित दर्ज किया जाना चाहिए। जिससे सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षक के लिए असहज स्थिति न बने, उसे अपने स्वत्वों के भुगतान के लिए भटकना न पड़े। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने जिलेवार संगठन कार्ययोजना की समीक्षा की, संकुल स्तर पर इकाई गठन , सदस्यता पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में संयुक्त संचालक शिक्षा लोक शिक्षण ग्वालियर दीपक पांडे, ग्वालियर डीईओ अजय कटियार, प्रांतीय उपाध्यक्ष ममता राठौड़, संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार, ग्वालियर संभाग के अध्यक्ष पंकज शर्मा, डॉ. हरेन्द्र तोमर, सतंजय मिश्रा, विमलेश यादव, ग्वालियर जिलाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, संभागीय संगठन मंत्री कमल सिंह गौतम, वृजनेश परिहार सहित सैकड़ों संगठन पदाधिकारी शामिल रहे।

शासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालयों की पुस्तकों की समस्या के संदर्भ में एसडीएम और कलेक्टर से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन जौरा की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। पदमा हायर सेकेंडरी स्कूल जौरा मैं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष विद्याराम प्रजापति की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर संभागीय उपाध्यक्ष एलएन त्यागी विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में दो दर्जन विद्यालय संचालक उपस्थित हुए, जिन्होंने सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया कि प्री प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों की पुस्तकों तथा गणवेश के संदर्भ में जो भ्रम की स्थिति बनी हुई है उसे स्पष्ट करने के लिए एक प्रतिनिधि मंडल संभागीय उपाध्यक्ष एलएन त्यागी एवं जिला अध्यक्ष विद्याराम प्रजापति के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी एवं जिलाधीश से मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए चलन में आ रहीं किताबें के संदर्भ में विचार विमर्श कर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विद्याराम प्रजापति ने कहा कि जो विद्यालय मान्यता लेकर संचालित किया जा रहे हैं उनमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं है और वह शासन के नियमों के अनुरूप संचालित किया जा रहे हैं जबकि ऐसे विद्यालय जिनके पास मान्यता नहीं है वही नियमों को ताक पर रखकर कार्य कर रहे हैं उनके कारण शासकीय मान्यता प्राप्त शासन की मंशा के अनुरूप जो विद्यालय चला रहे हैं उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष एसडी श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष एसके झा, कोषाध्यक्ष केबी सिंह, लखन जैन, प्रमोद गुप्ता, देवेंद्र त्यागी, जगदीश गुप्ता, जितेंद्र कुशवाह, अमित श्रीवास्तव, संजय वर्मा, पीएस जालौन मुख्य रूप से सक्रिय रहे। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि 01 जुलाई सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी एवं जिलाधीश से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे। इस अवसर पर संभागीय उपाध्यक्ष एलएन त्यागी ने कहा कि नियमों के अनुरूप विद्यालय का संचालन करने वाले शासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालकों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन किसी के भी साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार नहीं करेगा। प्रशासन सिर्फ उन्हीं विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो नियमों को तक पर रखकर शासन को ठेंगा दिखाते हुए कार्य कर रहे हैं।

जिले में अब तक 110.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 30 जून, 2024 तक 110.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 40.4 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 150.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 30 जून तक सर्वाधिक 167 मिलीमीटर वर्षा पोरसा में दर्ज की गई है। मुरैना में 164, जौरा में 142, कैलारस में 67, अम्बाह में 44 और सबलगढ़ तहसील में 78.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

30 जून, रविवार को सर्वाधिक 30 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई है। कैलारस में 17 और सबलगढ़ में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

पृष्ठ एक का शेष

पानी की एक-एक बूंद का मध्यप्रदेश...

ने कहा कि वन्य जीवों की सुरक्षा दोनों राज्य मिलकर करेंगे। पर्यटन और रोजगार आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान की इस योजना को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना को मूर्तरूप देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हमारी साझा नीति दोनों प्रदेशों को आगे बढ़ाने की है। इस परियोजना के पूरा होने से दोनों प्रदेशों की उन्नति होगी । राज्य और केंद्र मिलकर इस परियोजना को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में वर्तमान में स्थिति बदली है। पहले सीमित संसाधन थे। राजस्थान के 13 जिले और इतने ही जिले मध्यप्रदेश के इस परियोजना से लाभ प्राप्त करेंगे। इस योजना से दोनों प्रदेशों को लाभ होगा साथ ही आपसी रिश्ते भी सुदृढ़ होंगे। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इसके अतिरिक्त कुछ योजनाएं मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों मिलकर आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण राजस्थान में भी आए थे। राजस्थान और मध्यप्रदेश के अंदर खाटू श्याम से महाकाल तक कॉरीडोर बनाने के प्रयास होंगे। इससे राजस्थान- मध्यप्रदेश के अंदर पर्यटक और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। स्थापत्य कला को भी देखने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में श्रीअन्न (मोटा अनाज) को बढ़ावा देने के प्रयास होंगे। इन योजनाओं से जल का स्तर बढ़ेगा। किसानों को लाभ पहुंचेगा। पीने का पानी भी नागरिकों को मिलेगा। रणथंभोर से टाइगर मध्यप्रदेश आ जाते हैं। इसी तरह मध्यप्रदेश से चीते राजस्थान में पहुंच जाते हैं। वन्य-प्राणियों के संरक्षण और पर्यटन के लिए योजना बनाई जाएगी।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के प्रयासों से यह सौगात पूरी होगी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल जी का संकल्प अब पूरा होने जा रहा है। वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश में 65 लाख हेक्टेयर में सिंचाई का लक्ष्य है। इस परियोजना से लगभग 4 लाख हेक्टयर में सिंचाई होगी। राजस्थान में 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर में सिंचाई होगी। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि परियोयजना से रोजगार के द्वार खुलेंगे।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, राजस्थान के अपर मुख्य सचिव अभय कुमार, जन प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मध्य सहयोग के बिन्दु

- पर्यटन क्षेत्रों का संयुक्त विकास।
- श्री कृष्ण पाथेय कृष्ण गमन पथ निर्माण।
- खाटू-श्याम जी, नाथद्वारा, उज्जैन, ओंकारेश्वर के मध्य वन्दे भारत ट्रेन/ इलेक्ट्रिक बस का संचालन किया जाए।
- राजस्थान मध्यप्रदेश की खनन नीति को अपना कर राजस्व में वृद्धि कर सकता है।
- बजरी का प्रयोग बंद कर स्टोन डस्ट और एम सैण्ड के उपयोग को ब?ावा।
- आयुर्वेद/आयुष/ पंचकर्म पर्यटन को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयास।
- मध्यप्रदेश पर्यटन की होटल आऊटसोर्सिंग पॉलिसी को राजस्थान अपना सकता है।
- अफीम/डोडा चूरा से जुड़े अपराधियों का डेटा बेस साझा किया जाए एवं नीलामी पॉलिसी में एकरूपता लाई जाए।
- दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित मेडिकल कॉलेज की स्थिति/दूरी का युक्ति युक्तकरण किया जाए।
- कूनो से लगे राजस्थान के वन क्षेत्रों को मिलाकर एक संयुक्त बड़ा राष्ट्रीय पार्क बनाया जाए।

बेटी के जन्म पर मुक्तिधाम में कराया कन्या भोज

मुरैना/पोरसा। महाकाल की कृपा से निःसंतान दंपति अमनसिंह व पिया निवासी गढ़ कनैरा को कन्या रत्नी की प्राप्ति होने पर उन्होंने पोरसा मुक्तिधाम में कन्या पूजन का आयोजन किया। दंपत्ति ने अपनी नवजात कन्या के साथ महाकाल लोक के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा। वहीं एक सैकड़ा से अधिक कन्याओं का पहले पूजन किया गया, इसके बाद उन्हें भोजन आदि कराकर दक्षिणा दी गई।इस मौके पर महाकाल लोक के सृजनकर्ता डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि इस मुक्तिधाम के सृजन में जितनी मेहनत शहरवासियों ने की है, उतना ही सहयोग दानदाताओं ने भी किया है।

पृष्ठ एक का शेष

सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा...

वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल 'पर' फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बड़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 - पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, 'जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।' पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल 'पर' फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बड़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 - पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, 'जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।' पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

क्रिकेट की विश्वगुरु टीम को सलाम

एक लम्बे अरसे से न क्रिकेट का खेल देखा और न इसके बारे में लिखा। वैसे भी क्रिकेट के बारे में मेरा ज्ञान लगभग शून्य ही है। एक जमाना था जब जनसत्ता के हमारे सम्पादक स्व. प्रभाष जोशी ने मुझसे क्रिकेट के ग्वालियर में हुए अनेक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कव्हरेज जबरन कराया था। शनिवार की रात अमेरिका में टी-20 क्रिकेट का फाइनल देख रहे मेरे बेटे ने मुझे एक बार फिर खेल देखने के लिए प्रेरित किया और युगों बाद मैंने न केवल पूरा मैच देखा बल्कि उन स्वर्णिम क्षणों का साक्षी भी बना जो हर हिंदुस्तानी के लिए गौरव के क्षण कहे जा सकते हैं।

दरअसल पिछले अनेक वर्षों से सम-सामयिक विषयों पर लिखते-लिखते मेरी खेलों से रूचि लगभग समाप्त हो गयी थी। खेलों में राजनीति ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर थैली शाहों के बेटों को देखकर क्रिकेट के भाग्य पर तरस आता है। आप आश्चर्य करेंगे कि मै अभी तक अपने शहर में बनाये गए नए क्रिकेट स्टेडियम को देखने तक नहीं गया, क्योंकि हमारे यहां भी क्रिकेट एक परिवार की दासी बनी हुई है। लेकिन शनिवार की रात मुझे लगा कि हम भले ही राजनीति में विश्व गुरु न बने हों किन्तु क्रिकेट के खेल में तो आज विश्व गुरु हैं, और इसका श्रेय किसी मोशा की जोड़ी को नहीं बल्कि उन क्रिकेटरों को जाता है जो सचमुच भारत के मान-सम्मान के लिए खेलते हैं।

फाइनल मैच की कमेंट्री पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू कपिल शर्मा शो के जज की ही तरह फुल फॉर्म में कर रहे थे। चूंकि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था इसलिए मुझे भी मैच ने बाँध लिया। एक लम्बे अरसे बाद मुझे चौके और छक्के देखने का रोमांच हुआ। मैच में हालांकि रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके, मगर उसके बार विराट कोहली और अक्षर पटेल के बीच 72 रन की साझेदारी ने टीम इंडिया की मैच में वापसी कराई। अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन और विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने भी 16 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर भारत को 176 रन तक पहुंचने में मदद की। नवजोत सिंह का अनुमान था कि भारत 180 रन का लक्ष्य पार कर लेगा लेकिन भारत ये लक्ष्य पाने से 4 कदम पीछे रह गया।

अमूमन रात को 10 बजे सो जाने वाले इस बन्दे ने पूरे साहस के साथ फाइनल मैच देखा। मेरे ख्याल से दक्षिण अफ्रीका के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम चार-चार रन बनाकर आउट हो गये। लेकिन क्विंटन डी कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी करवाई बल्कि मैच के रोमांच को भी बनाये रखा। स्टब्स ने 21 गेंद में 31 रन और डी कॉक ने 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली । हेनरिक क्लासेन तब बैटिंग के लिए क्रीज़ पर उतरे जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 3 विकेट पर 70 रन बना लिए थे। क्लासेन ने यहां से ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू की और उन्होंने मात्र 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा कर दिखाया। क्लासेन ने 27 गेंद में 52 रन बनाए। 15वें ओवर में क्लासेन ने अक्षर पटेल के 24 रन बटोरे जहां से मैच पूरी तरह पलटा हुआ नजर आने लगा था। भारत ने गेंदबाजी के दम पर वापसी की वो भी आखिरी 4 ओवरों में, जैसा कि आप सभी ने देखा होगा कि 16 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे। अफ्रीका को आखिरी 4 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे। 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या ने क्लासेन को आउट कर दिया। अगले 2 ओवरों में सिर्फ 6 रन आए। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने केवल 4 रन दिए, जिससे मैच का रुख भारत की ओर हो गया। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या ने केवल 8 रन देकर भारत की 7 रन से जीत सुनिश्चित की।

पूरे सत्रह साल बाद मिली इस विजय से मुझे एक बार लगा कि जैसे ये एक सपना है, लेकिन बारबाडोस से लेकर दिल्ली और ग्वालियर में जब आधी रात को जश्न शुरू हुआ तो यकीन करना ही पड़ा कि हम क्रिकेट के विश्व गुरु फिर बन गए हैं। इतना जश्न देश में एनडीए गठबंधन की सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के बाद भी शायद नहीं मनाया गया था। दरअसल खेलों में खिलाड़ी पुरुषार्थ दिखाते हैं। खेलों में अदावत नहीं होती, प्रतिस्पर्धा होती है। खेलों में कोई फैसला संसद की तरह ध्वनिमत से नहीं होता। मैं भारतीय क्रिकेट टीम की इस महान उपलब्धि से गदगद हूँ। मैं हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ की वो हमारे देश की सियासत को अदावत से बचाकर उसमें प्रतिस्पर्धा और खेल की भावना भर दे। सियासत में भी नेता अपनी पारी समाप्ति की घोषणा खुद करें। कब्र में पैर लटकने तक कुर्सी से चिपके न रहें। खेलों से सीखें कि नयी पीढ़ी के लिए पुरानी पीढ़ी कैसे रास्ता छोड़ती है ? भारतीय राजनीति को क्रिकेट के विराट कोहली चाहिए रोम के नीरो नहीं पूरी भारतीय टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई, क्योंकि वर्षों बाद हम भारतीयों का सीना एक बार फिर 56 इंच का हुआ है।

-राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

सागर भाटिया ने फिल्म सरफिरा के गाने खुदाया से शुरू किया प्लेबैक सिंगिंग का सफर

सागर भाटिया ने कव्वाली को नए अंदाज में पेश कर इसे युवा पीढ़ी के बीच एक बार फिर से परिभाषित किया है और इस शैली के प्रति लोगों के रुझान को और भी उजागर किया है जो कभी हिंदी संगीत श्रोताओं के बीच बहुत लोकप्रिय थी। और अब, वह इसे फीचर फिल्मों में भी दर्शाने के लिए तैयार हैं, आप को बता दें कि उनका पहला कव्वाली ट्रैक एक बॉलीवुड फिल्म में रिलीज़ होने वाला है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा से सागर प्लेबैक सिंगिंग की शुरुआत कर रहे हैं, आज ही उनके द्वारा स्वरबद्ध किया गया गाना खुदाया रिलीज़ किया गया जो प्रसंशकों को काफी पसंद आ रहा है। सागर अपनी इस उपबल्धि के बारे में अपने विचारों को साझा करते हुए कहते हैं कि 'अपने बॉलीवुड पार्श्व गायन की शुरुआत के बारे में बताते हुए मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है! यह एक मील का पत्थर है जिसका मैंने हमेशा सपना देखा है कि हम अपने दिल का एक टुकड़ा आपके साथ साझा करें।'

सागर को करण जौहर ने धर्मा कॉर्नरस्टोन एजेंसी के तहत साइन किया गया है और इस गाने के साथ वे फिल्मी दुनिआ में कदम रख रही है। वर्क फ्रंट की बात करें, सागर ने अपनी अवधारणा सागर वाली कव्वाली के साथ विश्व स्तर पर दौरे किए हैं, और अपने संगीत के लिए दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। उन्होंने प्रतिष्ठित रेट्रो हिंदी गानों के अपने कवर के लिए लोकप्रियता हासिल की, और उनके ओरिजिनल गाने ने भी खूब तारीफें बटोरी हैं। उनके कुछ मूल ट्रैक में मेरा इश्क, रोयी होवेगी और इश्क कमली शामिल हैं।

परिषद की बैठक में आज पार्षद करेंगे सीवर व पानी को लेकर हंगामा

ग्वालियर। आज सोमवार को होने वाली नगर निगम परिषद की बैठक हंगामेदार होने की उम्मीद है, क्योकि पिछले तीन महीने से लोकसभा चुनावों के चलते बैठक आयोजित नहीं हो सकी थी। सोमवार को बैठक में सत्ताधारी और विपक्ष दोनों ही दलों के पार्षद अपनी अपनी मांगों को लेकर परिषद में हंगामा कर सकते हैं। पार्षदों की सीवर और पानी को लेकर लंबे समय से शिकायत जारी हैं, लेकिन निगम के अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं देते हैं। इस वजह से पार्षदों का गुस्सा भी सिर चढकर बोल रहा है। वार्ड क्रमांक 5 के आनंदनगर में एक दिन पहले सडकों पर पानी भरने की शिकायत पार्षद पीपी शर्मा ने अधिकारियों से की थी, लेकिन जब निराकरण नहीं हुआ तब वे अपने साथियों के साथ पानी में ही बैठ गए। इसके बाद निगम की सीवर सेल के कर्मचारियों ने पहुंचकर पानी निकाला।

निगम में सत्ताधारी दल कांग्रेस और विपक्ष भाजपा दोनों ही दलों के

पार्षद अपनी अपनी मांगो को लेकर हंगामा करते रहते हैं। उनकी मुख्य मांग सीवर सफाई और पानी को लेकर होती है, लेकिन निगम के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। पार्षदों की यही शिकायत रहती है कि वे अपने वार्ड के काम बताते हैं, लेकिन निगम के अधिकारी सुनते तक नही है। सीवर और पानी की समस्याएं तो आए दिन की रहती है मगर अधिकारी पूरी तरह से लापरवाही बरतते हैं। भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान रहने वाली जनता अब पानी के साथ जलभराव से भी परेशान हो रही है। बारिश का पानी सीवर की लाइनों में भरने से पेयजल की लाइनों में भी गंदा पानी आने लगा है। इस वजह से भी लोग आए दिन परेशान हो रहे हैं। पार्षदों की बैठक में सागरताल के सौंदर्यीकरण के बाद उसके संचालन की योजना पर भी विचार किया जाएगा। वहीं मुरार छावनी बोर्ड के क्षेत्रों को निगम सीमा में शामिल करने पर विचार होगा। साथ ही बजट को लेकर कुछ संसोधनों पर चर्चा होगी। वहीं हुरावली स्थित निगम की खुली भूमि के व्यवसायिक उपयोग को लेकर भी चर्चा होगी। पार्षद अपनी समस्याओं को लेकर सोमवार को होने वाली बैठक में सीवर और पेजयल के साथ सफाई को लेकर भी नाराजगी दिखा सकते हैं। पिछले तीन दिन से शहर में कई स्थानों से कचरा उठ नहीं रहा है। दो दिन पहले की भारी बारिश के बाद कचरा मुख्य सडकों पर हर तरफ बिखरा हुआ पड़ा है। जिसको देखकर लगता है कि आज परिषद की बैठक हंगामेदार होने वाली है।

ईएसआई हास्पीटल सेवायें ठप्प, प्रभारी संचालक को पसंद दवाईयों की कागजी खरीद फरोख्त

ग्वालियर। कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें इंदौर के तहत मध्यप्रदेश में चलने वाले प्रदेश के विभिन्न चिकित्सालयों व डिस्पेंसरियों की हालत स्वयं प्रभारी संचालक डा नटवर सारदा की मनमानी व लापरवाही से खराब हैं। यहां आने वाले मरीजों को न तो दवाईयां मिल रही है और न ही सही उपचार। डा नटवर सारदा सारी व्यवस्थाओं को जानबूझकर फेल करने में लगे हैं, और केवल दवाईयों की कागजी खरीद फरोख्त में लगे हैं। कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें के तहत न तो चिकित्सकों और न ही अन्य पैरा मेडीकल व प्रशासनिक स्टाफ तक की भर्ती भी नहीं की जा रही है। केवल केन्द्र सरकार के श्रम मंत्रालय से मिलने वाली राशि को फिजूल कागजी खरीद फरोख्त में बेकार किया जा रहा है। हालांकि मप्र राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें में चल रही गडबडियों की शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन फिर भी संचालक डा नटवर सारदा के हौसले कम नहीं हो रहे हैं। वह दवाईयों की खरीद फरोख्त में व्यापक खेल कर शासन व श्रम विभाग को राजस्व की हानि पहुंचाने में लगे है।

कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें इंदौर के संचालक डा नटवर सारदा की गडबडियों का आलम देखिये कि उन्होंने डायबिटीज की दवाई अपने एक चहेते को फायदा देने के लिये 5 करोड की जगह 10 करोड रूपये की खरीद डाली। जो पूरी तरह से रखे - रखे एक्सपायरी हो गई। जबकि पूरे प्रदेश में ईएसआई हास्पीटल में यह दवाई एक करोड रूपये की भी नहीं लग पाती। केवल कमीशन के लालच में ऐसा किया है। इसी प्रकार ईएसआई के टाईअप अस्पतालों में मरीजों फर्जी इलाज दिखावा फर्जी बिलों का भुगतान भी किया जा रहा है। इसी प्रकार डा सारदा व उनके अधीनस्थों के इंसुलिन की फर्जी मांग बुलाकर करोडों के इंसुलिन खरीद जाते है। जबकि इंसुलिन का प्रावधान यह है कि इंसुलिन को फ्रीज में रखा जाना चाहिये, लेकिन लापरवाही का आलम देखिये कि इंसुलिन पीथमपुर में बाहर ही रख दिये गये है, जो खराब हो रहे हैं और अब मरीजों को भी वही देकर उनके जान से खिलवाड किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि शुगर के मरीजों के इतनी संख्या में होने के बाद भी करोडों की दवाईयां खरीद डाली गई है।

सूत्रों का कहना है कि कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें इंदौर के प्रभारी संचालक बजट खर्च से दो गुनी मात्रा में मांग कर पूरे आर्डर का खेल कमीशन के चक्कर में किया जा रहा है। जो दवाईयां मात्र 10 रूपये की है वह भी 100 रूपये में खरीदी जा रही है। गत वर्ष ही कमीशन के लालच में 50 करोड रूपये की अनावश्यक दवाई मोटे कमीशन के कारण खरीदी गई है। हालांकि इसमें भारतीय मजदूर संघ ने भी शिकायत की है लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री व श्रम मंत्री ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

मॉलिक्यूल पब के बाहर हंगामा, सड़क पर चली लाठियां, बाउंसर्स ने युवकों को पीटा

ग्वालियर। पड़ाव थाना क्षेत्र में महिला थाने के सामने मॉलिक्यूल पब एंड होटल के बाहर रविवार की शाम हंगामा हो गया। हंगामे और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पहले पब से कुछ लड़के बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद बाउंसर्स बाहर आते हैं और सड़क पर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होती है। यह वीडियो एक दिन पुराना बताया जा रहा है। वायरल वीडियो पुलिस के पास भी पहुंचा है जिसके बाद पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल विवाद किस बात को लेकर हुआ है इसकी पुलिस जांच कर रही है।

पड़ाव थाना क्षेत्र में महिला थाने के सामने स्थित होटल व पब मॉलिक्यूल में बीती रात हंगामा हो गया। पब में आये युवकों और मालिक्यूल के बाउंसर्स के बीच विवाद हो गया था। जिसमें बीच सड़क पर जमकर डंडे लाठी और तलवारें चली और पब के

बाउंससों ने युवकों के साथ जमकर मारपीट की है। घटना के समय राहगीरों ने वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर रविवार की सुबह से वायरल हो गया। वायरल वीडियो पुलिस के पास भी पहुंचा। जिसकी जांच के बाद पुलिस का कहना है कि उन्होंने इस मामले में होटल संचालक को नोटिस जारी किया है। साथ ही सोशल मीडिया पर आए वीडियो के फुटेज के आधार पर बाउंसर और होटल में हंगामा करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि बाउंसर और युवकों के बीच आखिर किस बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में दोषियों का पता लगाकर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सीएसपी इंदरगंज अशोक सिंह जादौन का कहना है कि मारपीट व झगड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। होटल संचालक को नोटिस जारी कर इसमें जवाब तलब किया है। पुलिस वीडियो की जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

जून माह में 8 दिन बारिश, दो दिन ट्रेस आंकड़ा पहुंचा 145 मिमी से ऊपर

- बीते साल से कम बारिश, लेकिन सामान्य से 65 मिमी ऊपर

ग्वालियर। इस साल ग्वालियर में जून माह खूब तपा और औसतन 20 दिन तक रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ी। इसके साथ ही 8 दिन बारिश हुई। जबकि दो दिन बादल केवल हल्की बूंदाबांदी कर लौट गये। फिर भी मासिक व सीजनल बारिश का आंकड़ा 145 मिमी से ऊपर पहुंच गया। यह सामान्य से करीब 65 मिमी ऊपर होना बताई गई है। जबकि बीते साल से कम हुई है। वर्ष 2023 के जून माह में 151.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई थी। इस तरह 5.9 मिमी अभी पीछे है। 3 से 6 जुलाई तक मध्यम से तीव्र बारिश होने का अनुमान जताया है। हालांकि एक जुलाई से बारिश का दौर जारी रहेगा। धूप, छांव के साथ साथ हल्के फुल्के बादल रहेंगे।

जून माह पर बीते साल से तुलनात्मक नजर डाले तो शहर में इस साल भी 10 दिन बारिश हुई है। हालांकि अच्छी बारिश केवल 8 दिन हुई है। इसकी गुरूवार 18 जून की रात हो गई थी। 24 व 25 जून को भी जोरदार बारिश हुई। इसके बाद शहर में हल्की फुल्की बारिश का दौर जारी बना हुआ हैं। बीते दिन शनिवार को सुबह 8.30 बजे तक 24.8 मिमी रिकार्ड की गई थी। वहीं शाम को 1.5 मिमी आंकी गई थी। इसी तरह रविवार को शाम 5.30 बजे तक 0.4 मिमी बारिश दर्ज हुई। इस प्रकार बारिश का आंकड़ा 145.3 मिमी पर पहुंच गया। जबकि बीते साल जून माह में 151.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई थी। यदि सामान्य औसत बारिश हिसाब से देखे तो इस साल सामान्य से 65 मिमी बारिश ऊपर हो चुकी है।

रात का तापमान दर्ज हुआ, पर आया दिन का पारा

फरवरी माह की तरह जून माह भी तापमान को लेकर काफी उतार चढ़ाव का रहता है। कुछ दिन पहले जितना तापमान रात का आंका जाता था। वह अब बीते 4 दिनों से अधिकतम तापमान के रूप में दर्ज हो रहा है। हालांकि इस माह में 16 जून को दिन का पारा 45.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो चुका है। 16 जून इस माह का सर्वाधिक गर्म दिन रिकार्ड हुआ है। इसी तरह सर्वाधिक गर्म रात 17 जून रिकार्ड की गई। उस दिन रात का पारा 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जबकि जून माह का सर्वाधिक ठंडा दिन 29 जून और सर्वाधिक ठंडी रात 27 जून को आंका गया था। सामान्य से मायनस वाले दिन केवल 10 दिन रहे हैं 27 जून से लगातार है। जबकि इसी माह 16 दिन 40 डिग्री से ऊपर पारा भी दर्ज हुआ है।

मैनेजर ने ग्राहकों को लगाई लाखों की चपत

ग्वालियर। ग्राहकों द्वारा जमा कराई गई राशि को कंपनी के खाते में जमा नहीं कराते हुए मैनेजर ने अपने खाते में जमा कर ली। घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र के होम फाइनेंस लिमिटेड गश्त का ताजिया स्थित जेके प्लाजा की है। घटना का पता उस समय चला जब ग्राहकों को जमा की गई राशि को फिर से जमा कराने के नोटिस मिले तो पीडित पहले कंपनी में पहुंचे और शिकायत की। इसके बाद इंदरगंज थाना पुलिस से शिकायत की। लेकिन सुनवाई नहीं हुई तो पीडित पक्ष न्यायालय पहुंचा और परिवाद लगाया।

इंदरगंज थाना पुलिस ने बताया कि मुकेश राठौर, कैलाश नारायण शर्मा, गिर्राज, लक्ष्मीनारायण शर्मा, विपिन, वृंदावन, निर्देश, महावीर, भारत सिंह कुशवाह, पवन व श्रीकांत श्रीवस ने पुलिस से शिकायत की है कि उन्होंने जेके प्लाजा स्थित ओसवाल होम फाइनेंस कंपनी से होमलोन लिया था। इसके बाद वह कंपनी के क्रेडिट मैनेजर मनीष सक्सैना की मदद से अपनी किस्तें जमा कराते थे। कुछ समय पूर्व कंपनी ने उन्हें नोटिस दिए कि उनके द्वारा किस्त के रूपये जमा नहीं कराए जा रहे हैं, नोटिस मिलते ही उनके होश उड़ गए और उन्होंने जब जानकारी जुटाई तो पता चला कि उनके द्वारा जमा की गई किस्त की रकमें कंपनी के क्रेडिट मैनेजर आशीष सक्सैना ने अपने खाते में जमा कर ली है। मामले का पता चलते ही पुलिस से शिकायत की। साथ ही क्राइम ब्रांच सहित अन्य स्थानों पर भी शिकायत की, लेकिन शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई। इसी बीच मैनेजर मनीष सक्सैना ने नौकरी छोड़ दी। मामले में कार्रवाई नहीं होने पर पीडित पक्ष ने न्यायालय में शिकायत की। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

24 घंटे का युवा इंका सत्याग्रह बोर्ड आफिस चौराहे पर कल

ग्वालियर। मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस कल 2 जुलाई का सुबह 10 बजे भोपाल में बोर्ड आफिस चौराहे पर 24 घंटे का सत्याग्रह करेगी। यह सत्याग्रह नर्सिंग घोटाले को लेकर किया जायेगा। मप्र युवक कांग्रेस के अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने बताया कि धरने को लेकर युवक कांग्रेसियों में उत्साह हैं और भारी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे।

कार सवार बदमाशों ने युवक पर की फायरिंग, तलवार भी मारी, दोनों पक्षों पर मामला दर्ज

ग्वालियर। मुरार थाना क्षेत्र के सात नंबर चौराहा सीपी कॉलोनी में रविवार दोपहर कार सवार बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट कर फायरिंग कर दी। फायरिंग की आवाज सुनकर युवक के परिजन और राहगीर वहां आ गए। उन्होंने हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान बदमाश अपनी लाइसेंसी राइफल छोड़कर भाग गए। भागते समय हमलावरों ने एक युवक को तलवार भी मारी। जिससे वो घायल हो गया। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो हमले में घायल युवक के पिता ज्ञान सिंह ने मुरैना में रहने वाले संदीप मावई पर हमले का आरोप लगाया और कहा कि लोन को लेकर उसके भांजे से संदीप का विवाद चल रहा है और उसी को लेकर उसने हमला किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञान सिंह के दो बेटे लव गुर्जर और पुष्पेन्द्र गुर्जर हैं और रविवार दोपहर करीब 3 बजे लव गुर्जर को उसके मामा के बेटे अनुज गुर्जर ने फोन किया और उसे बुलाया और जब लव घर के बाहर निकला । इस बीच उसके घर के सामने संदीप मावई अपने साथियों

के साथ वहां पहुंच गया और अनुज के साथ गाली-गलौज करते हुए राइफल से फायर कर दिया। लव ने नीचे झुक कर जान बचाई। इसके बाद बाद हमलावरों ने एक और फायर किया। गोलियों की आवाज सुनकर लव का छोटा भाई पुष्पेन्द्र गुर्जर बाहर आया। वह हमलावरों से भिड़ गया। मदद के लिए आसपास के अन्य लोग भी आ गए। घबराकर बदमाश भागने लगे, लेकिन हड़बड़ाहट में राइफल छोड़कर भाग गए। भागते समय हमलावरों ने पुष्पेन्द्र पर तलवार से हमला कर दिया। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो घायल के पिता ज्ञान सिंह ने बताया कि मेरा भांजा अनुज गुर्जर सिटी सेंटर में रहता है। वह प्राइवेट बैंक में पदस्थ है। हमलावर संदीप मावई निवासी मुरैना ने फर्जीबाड़ा कर एक या दो करोड़ का लोन लिया है। इसकी जानकारी भांजे को है। संदीप का आरोप है कि अनुज उसे बदनाम कर रहा है। इसी कारण उनके बीच विवाद है।

उन्होंने बताया कि संदीप को लगता है कि मेरे दोनों बेटे भी उसके साथ मिले हैं। रविवार दोपहर अनुज को धमकी देते हुए संदीप ने सात नंबर चौराहा पर बुलाया था। अनुज पहुंचा, लेकिन खुद को अकेला पाकर बेटे लव को फोन कर आने को कहा, लेकिन हमलावर हमारे घर के बाहर ही पहुंच गए और हमला कर दिया। पुलिस ने घायल पुष्पेन्द्र की शिकायत पर आरोपी संदीप मावई के खिलाफहत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज होने के कुछ देर बाद संदीप मावई भी मुरार थाने पहुंच गया। उसने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता के बेटों ने रिवॉल्वर से मुझ पर फायरिंग की थी। जवाब में मैंने भी फायरिंग की। इस पर पुलिस ने संदीप मावई की शिकायत पर दूसरे पक्ष के लव, पुष्पेन्द्र सहित तीन पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वकील ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। अज्ञात कारणों के चलते एक वकील ने अपने बेडरूम के बगल वाले कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के गोविन्दपुरी में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है। घटना का पता उस समय चला जब वकील की पत्नी ने उसे बिस्तर से गायब देखा तो उन्हें तलाशते हुए दूसरे कमरे में पहुंची तो उनकी चींख निकल गई, क्योंकि कमरे में वकील फांसी पर लटका हुआ था। मामले की सूचना तुरंत ही पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के गोविन्दपुरी निवासी 58 वर्षीय अनूप शर्मा पुत्र हरिनारायण शर्मा ने फांसी लगाकर जान दे दी। अनूप के बारे में बताया गया है कि वह पेशे से वकील है और बीती रात वह खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। देर रात जब उनकी पत्नी मनु शर्मा की नीद खुली तो वकील बिस्तर से गायब थे। आधी रात को वकील को बिस्तर से गायब देखकर पहले सोचा कि बाथरूम गए होगे, लेकिन जब काफी देर तक वह वापस नहीं आए तो वह उन्हें तलाशते हुए दूसरे कमरे में पहुंची तो उसकी चीख निकल गई, क्योंकि वकील फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। उनकी आवाज सुनकर उनके परिजन वहां पर पहुंचे और उनकी नब्ज टटोली तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। फिलहाल पता नहीं चला है कि किन कारणों के चलते उसने फांसी लगाकर जान दी है।

नये कानून की जानकारी के लिये पुलिस ने कराई मुनादी

ग्वालियर। भारत सरकार द्वारा आजादी के पूर्व बने आपराधिक कानूनों की जगह बनाए गए नए कानून को

आज एक जुलाई को देश भर में लागू किया जायेगा। नए कानून की जानकारी देने के लिए सभी थानों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आमजन को इस कानून की जानकारी दी जा रही है। इस आयोजन में अधिक से अधिक लोग शामिल हों, इसके लिए बेहट सर्किल में एक अभिनव पहल की जा रही है, जिसमें एक जुलाई को थानों में होने वाले आयोजन में अधिक से अधिक लोगों को शामिल कराने के लिए मुनादी कराई जा रही है और मुनादी कराकर लोगों को नए कानून के लाभ बताए जा रहे हैं। बेंहट सर्किल द्वारा मुनादी भी बड़े रोचक व अनोखे ढंग से कराई गई, जिसमे ग्राम चौकीदार साइकिल में सवार होकर ढोल के साथ गांव-गांव पहुंचकर इसकी जानकारी दे रहे हैं। इस आयोजन में अधिक से अधिक लोग शामिल हों, इसके लिए पुलिस ग्रामीणों के बीच मिठाई का वितरण कर रही है। आज के समय में हर घर में मोबाइल आ गए हैं और शहर तो क्या गांवों में लोग मोबाइल पर ही बतिया लेते हैं, लेकिन रविवार को बेहट सर्किल के थाना क्षेत्र में आने वाले गांवों में लंबे अरसे बाद मुनादी कराकर सुनो-सुनो की आवाज गूंजी। जिसे सुनकार बच्चे, युवा व बुजुर्ग गांव की चौपाल पर आए और उन्हें नए कानून के स्वागत में शामिल होने के लिए थाने आने का न्योता दिया गया। भारत की सांसद द्वारा आईपीसी के स्थान पर बीएनएस भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी के स्थान पर बीएनएसएस भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व एविडेंस एक्ट की जगह बीएसए भारतीय साक्ष्य अधिनियम पारित किया गया, जिसमें नागरिकों को समय पर संवेदनशीलता के साथ सम्मान बनाये रखते हुए न्याय दिलाने की ओर ध्यान दिया गया है। पुलिस को अपराधियों पर लगाम कसने के लिए ढेर सारी शक्तियां दी हैं, वहीं फरियादी व पीडित पक्ष तथा गवाही देने वाले महिला, बच्चों व बुजुर्गों की सुनवाई के लिए पुलिस को उनके निवास स्थान पर जाने के लिए बाध्य किया है। ई एफआईआर जैसे प्रावधान लाए गए हैं जो कि स्वागत योग्य हैं।

भाई ने की बहन से छेड़छाड़

ग्वालियर। बहन के चरित्र पर संदेह जताते हुये भाई ने बहन के साथ छेड़छाड़ कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना आंतरी थाना क्षेत्र के टेकनपुर की है। टेकनपुर निवासी तीस वर्षीय युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि बीते रोज वह पूजा घर में पूजा कर रही थी कि तभी उसका भाई वहां पर पहुंचा और उसे पूजा घर से घसीट कर दूसरे कमरे में ले गया और उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उस पर आरोप लगाए कि उसके कई युवकों से अवैध सबंध है और उसे इस घर में रहना है तो उसकी बाते माननी पड़ेगी। पीडिता ने शोर मचाया तो आस-पास के लोग एकत्रित हो गए और लोगों को एकत्रित होता देखकर भाई वहां से भाग निकला। घटना का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर्स डे आज: रात में तेज खर्राटे और दिन में ज्यादा नींद आती है तो हो सकता है स्लीप एपनिया

- टीबी एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्जवल शर्मा बोले, हार्ट अटैक व लकवा का बढ़ सकता है खतरा

ग्वालियर। अगर आप पूरी रात सोने के बाद भी दिन में थका हुआ महसूस करते हैं, अत्याधिक नींद आती है और रात में सोते समय तेज खर्राटे लेते हैं, तो आपको स्लीप एपनिया हो सकता है। शॉर्ट नैक यानि छोटी गर्दन भी इस बीमारी का बड़ा लक्षण है। स्लीप एपनिया एक गंभीर नींद संबंधी विकार है जिसमें सांस बार-बार रुकती और शुरू होती है। दरअसल, ऑक्सीजन का लेवल शरीर में कम हो जाता है, जिसके कारण लोगों को राहत भरी सांस नहीं मिलती।

डॉक्टर्स डे पर टीबी एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्जवल शर्मा ने सामान्य वर्ग में अनपहचानी लेकिन नजरंदाज करने पर जानलेवा बन जाने वाली बीमारी स्लीप एपनिया (ओएसए) के लक्षणों, कारणों एवं निदान के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि स्लीप एपनिया (ओएसए) तब होता है जब गले की मांसपेशियां शिथिल हो जाती हैं और फेफड़ों में हवा का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है। अगर लगता है कि आपको स्लीप एपनिया के लक्षण है, तो तत्काल अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञ से परामर्श लेकर उपचार प्रारंभ करना होगा। वजह यह कि यदि इस बीमारी पर कन्ट्रोल नहीं पाया जाता है तो आप मोटापे के शिकार हो जाएंगे। बीपी, थायराइड, शुगर, हार्ट अटैक व लकवा का खतरा बढ़ जाएगा। तत्काल उपचार मरीज के लक्षणों को कम कर सकता है और हृदय संबंधी समस्याओं और अन्य जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकता है।

डॉ. उज्जवल शर्मा कहते हैं कि जोर से खर्राटे लेना संभावित रूप से गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, लेकिन स्लीप एपनिया से पीड़ित हर व्यक्ति खर्राटे नहीं लेता। अगर आपको स्लीप एपनिया के लक्षण हैं, तो विशेषज्ञ चिकित्सक से बात करें। चिकित्सक से ऐसी किसी भी नींद संबन्धी समस्या के बारे में पूछें जो आपको थका हुआ, नींद में और चिड़चिड़ा बना देती है। स्लीप एपनिया में बार-बार जागने की वजह से सामान्य, आरामदायक नींद असंभव हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप दिन में गंभीर उनींदापन, थकान और चिड़चिड़ापन की संभावना होती है। आपको ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है और आप काम पर, टीवी देखते समय या यहां तक कि गाड़ी चलाते समय भी सो सकते हैं। स्लीप एपनिया से पीड़ित लोगों में मोटर वाहन और कार्यस्थल दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। आप जल्दी गुस्सा होने, मूडी या उदासी महसूस कर सकते हैं। स्लीप एपनिया से पीड़ित बच्चे और किशोर स्कूल में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं या उनमें व्यवहार संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उच्च रक्तचाप या हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। रक्त ऑक्सीजन के स्तर में अचानक गिरावट से रक्तचाप बढ़ता है और हृदय प्रणाली पर दबाव पड़ता है। स्लीप एपनिया होने से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है, जिसे हाइपरटेंशन भी कहा जाता है। बार-बार दिल का दौरा, स्ट्रोक और अनियमित दिल की धड़कन, जैसे कि एट्रियल फिब्रिलेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है।

मच्छर जनित रोग बढ़ेंगे, घर के आसपास पानी जमा न होने दें: डॉ. विनीत चतुर्वेदी

जीआरएमसी के बाल एवं शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. विनीत चतुर्वेदी का कहना है कि बरसात का मौसम शुरू हो गया है, नतीजन मच्छरजनित रोग बढ़ेंगे। डेंगू का खतरा तो है ही। इसलिए अपने घर के आसपास पानी जमा न होने दें। बच्चों को फुल कपड़े पहनाएं। टाइफाइड व पीलिया जैसी समस्याएं भी बारिश के मौसम में ही होती हैं। अत्यधिक बचाव जरूरी है। संभव हो तो पानी उबालकर ही पिएं।

हृदय रोगी लू से बचें, दोपहर में बाहर न निकलें: डॉ. राम रावत

जयारोग्य हॉस्पीटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राम रावत ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में हार्ट के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिक गर्मी पड़ने पर शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। शरीर को ठंडा रखने के लिए हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। साथ ही अन्य अंगों और धमनियों पर भी दबाव बढ़ता है। शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है, जिससे हीट स्ट्रोक आ जाता है। अन्य लोगों की तुलना में दिल के मरीजों को इससे बीपी की शिकायत भी बढ़ जाती है और हार्ट अटैक का भी खतरा रहता है। गर्मी में ब्लडप्रेशर कम हो जाता है, इसलिए अपने डाक्टर से मिलकर दवा अर्जेस्ट करवाएं। हार्ट के मरीजों को तेज धूप में बाहर निकलने से बचना चाहिए। दोपहर 11 से 4 बजे तक बाहर बिल्कुल न निकले। अगर बहुत जरूरी काम है तो सिर को ढककर और साथ में पानी की बोतल लेकर बाहर जाएं। कोशिश करें कि बहुत देर तक धूप में न रहे और जिन इलाकों में ज्यादा गर्मी पड़ रही है, वहां भी न जाएं। खानपान का ध्यान रखें और फल व हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें। बाहर है तो ज्यादा देर तक खाली पेट न रहें। दिल के मरीजों के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपनी दवाओं का हर हाल में सेवन करते रहें। ?

संपादकीय

खुशी का पैगणना में भारतीय जीवन दर्शन भी हो शामिलमाना

खुशी मापने के वैश्विक पैमाने को लेकर तमाम किंतु-परंतु रहे हैं लेकिन फिर भी भारत के नीति-नियंताओं को इस सवाल पर आत्ममंथन करना चाहिए कि भारत दुनिया के करीब 140 देशों में 126वें नंबर पर क्यों है। खुशी मापने के पश्चिमी चश्मे पर हमेशा से ही सवाल उठते रहे हैं, फिर भारत जैसे विशाल जनसंख्या व सांस्कृतिक विविधता वाले देश को एक पैमाने से मापना अतार्किक ही है। हो सकता है जिस बात पर अमेरिकी नागरिक खुश होते हों, वह एक आम भारतीय की खुशी की वजह न हो। सही मायनों में खुशी का आधार संतोष होता है। जो एक सापेक्ष स्थिति है। एक मनःस्थिति है। फिर भारत जैसे देश का दर्शन भौतिक संपदा के बजाय आंतरिक शांति और संतुष्टि में खुशी तलाशता रहा है। फकीरों की मौज को खुशी के पैमाने पर कदापि नहीं आंका जा सकता। वैसे पश्चिमी मापदंड के आधार पर कर्ज में डूबे व अराजकता से जूझते देश पाकिस्तान को भारत के मुकाबले ज्यादा खुशहाल बताने का तर्क गले से नहीं उतरता। इस बार की वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट में एक बार फिर सातवीं दफा फिनलैंड लगातार खुशहाल देश बना है। उसके बाद डेनमार्क व आइसलैंड का नंबर आता है। ये देश विकसित मगर भारत के एक छोटे शहर की जितनी आबादी वाले देश हैं। निस्संदेह, बड़ी जनसंख्या का हमारी नागरिक सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ता ही है। भले ही हमारे नीति-नियंताओं की नीतियों में खोट रहे हों और भ्रष्टाचार व्यवस्था को लीलता रहा है, लेकिन हम कैसे भूलें कि देश सदियों की गुलामी से निकलकर अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। भले ही देश में घनघोर आर्थिक असमानता हो, लेकिन फिर भी आज देश की आर्थिक विकास की दर दुनिया में सबसे ज्यादा है। जरूरी है कि आर्थिक विकास समतामूलक होना ही चाहिए। लेकिन यहां एक सवाल यह भी है कि क्या आर्थिक संपन्नता ही खुशी का आधार है? अगर वाकई आधार है तो क्यों आम भारतीयों के सपनों का अमेरिका पहले दस खुश देशों की सूची से बाहर है? क्यों कोई भी विकसित बड़ा राष्ट्र पहले दस खुश देशों में शामिल नहीं है?

बहरहाल, वैश्विक खुशी का सूचकांक हमारे नीति-नियंताओं को आत्ममंथन का मौका देता है। सत्ताधीशों को विचार करना होगा कि आखिर आम भारतीय कैसे खुश हो सकता है। देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था कैसे स्थापित की जा सकती हैं। देश में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों, जातीय भेदभाव, निरक्षरता और आर्थिक असमानता को दूर करने की गंभीर पहल तो होनी ही चाहिए। बेरोजगारी की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की जरूरत है। महिलाओं को सशक्त बनाकर अर्थव्यवस्था में उनकी बड़ी भूमिका निर्धारित की जानी चाहिए। लोगों का देश की कानून व्यवस्था के प्रति भरोसा बने, ऐसी नीतियों को क्रियान्वित करने की जरूरत है। कोशिश होनी चाहिए कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े। सत्ताधीशों की विश्वसनीयता बने और संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती प्रदान की जाए। यदि ऐसा होता है तो देश में खुशी के सूचकांक में सुधार संभव है। भारतीय सामाजिक तानेबाने की अपनी विशेषताएं रही हैं। उसे वैश्विक मंच पर मान्यता दिलाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि इस रिपोर्ट का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि भारतीय वृद्धों में जीवन के प्रति संतुष्टि का स्तर ऊंचा है। इसका आधार भारतीय जीवन मूल्यों की मजबूती भी है। जबकि पश्चिमी देशों में वृद्धों की बड़ी आबादी आज भी एकाकी जीवन के त्रास को झेल रही है। भारत में संयुक्त परिवारों में बिखराव के बावजूद बड़ी आबादी फिर भी अपने बुजुर्गों का ख्याल रखती है। दरअसल, मीडिया में प्रकाशित नकारात्मक समाचारों से आम लोगों में भारतीय पारिवारिक मूल्यों के प्रति भ्रामक धारणा बनती है। इसके बावजूद आम भारतीय के जीवन स्तर को सुधारने के लिये कई मोर्चों पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देश में सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव की दिशा में भी बहुत काम किये जाने की जरूरत है।

अंतरिक्ष मिशनों हेतु खतरा है उपग्रही कचरा

अंतरिक्ष में कचरे की बढ़ती हुई मात्रा से किसी न किसी बिंदु पर कोई बड़ी टक्कर हो सकती है। अंतरिक्ष में उपग्रहों के बीच टक्कर का एक नजारा दुनिया ने फरवरी, 2009 में देखा था,जब एक बेकार रूसी उपग्रह और एक अमेरिकी दूरसंचार उपग्रह आपस में टकरा गए थे। यदि कचरे के दो बड़े टुकड़े आपस में टकराते हैं तो वे अंतरिक्ष में हजारों छोटे-छोटे टुकड़े बिखेर देंगे। सैद्धांतिक तौर पर ये सारे टुकड़े 'सैटेलाइट किलर' हो सकते हैं।

पृथ्वी के वायुमंडल और उसकी जलवायु का नये ढंग से अध्ययन करने वाला यूरोपीय स्पेस एजेंसी का निष्क्रिय और बेकाबू ईआरएस-2 उपग्रह पिछले बुधवार को पृथ्वी के वायुमंडल में लौट आया। लेकिन वैज्ञानिक इस बारे में निश्चित नहीं थे कि दशकों पुराने इस अंतरिक्ष यान के अवशेष वास्तव में कहां और कब गिरेंगे। उपग्रह के पृथ्वी पर गिरने की खबर पृथ्वीवासियों को झकझोर सकती है। लेकिन इस घटना से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। करीब ढाई टन वजनी ईआरएस-2 उपग्रह को वर्ष 1995 में अंतरिक्ष में लांच किया गया था और वर्ष 2011 में उसने अपना आखिरी मिशन पूरा किया था। तब से यह उपकरण पृथ्वी की कक्षा में अंतरिक्ष कबाड़ के रूप में बना हुआ था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि उसने उपग्रह को 15 वर्षों के भीतर किसी समय पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाने के लिए शुरू में कुछ अभ्यास किए थे। वह दिन आखिरकार बुधवार को आ ही गया जब उपग्रह ने अलास्का और हवाई के बीच प्रशांत महासागर के ऊपर पुनः प्रवेश किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईआरएस-2 जैसे अधिकांश उपग्रह वायुमंडल में प्रवेश करते ही टूट जाते हैं और पूरी तरह से विघटित हो जाते हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह अनुमान लगाना मुश्किल होता है कि उपग्रह पृथ्वी के वायुमंडल में कहां पुनः प्रवेश करेगा क्योंकि हवा के घनत्व का पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है, जहां से उपग्रह गुजरता है। वैसे ईआरएस-2 जैसी बड़ी वस्तुओं को ट्रैक किया जाता है, लेकिन वायुमंडलीय घनत्व में भिन्नता से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कोई वस्तु वास्तव में कहां दोबारा प्रवेश करेगी। ईआरएस-2 की पुनः प्रविष्टि अनियंत्रित थी। उसमें लंबे समय से ईंधन खत्म हो चुका था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार जो भी टुकड़े वायुमंडल में नहीं जले, वे सैकड़ों किलोमीटर की दूरी में बेतरतीब ढंग से फैल जाएंगे। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि जहां तक वह बता सकती है, ईआरएस-2 के पुनः प्रवेश के बाद संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी व्यक्ति का अंतरिक्ष कबाड़ के टुकड़े की चपेट में आना पूरी तरह से असंभावित नहीं है। पृथ्वी का अधिकांश भाग महासागरों से ढका हुआ है। ये वस्तुएं आमतौर पर महासागरों के ऊपर गिरती हैं, जिससे मनुष्यों को खतरा थोड़ा कम होता है। छोटे उपग्रह हर समय पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करते हैं और वे बहुत कम ही कोई समस्या पैदा करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, गिरने वाली वस्तु की घटनाएं और अधिक हो जाएंगी। ये वस्तुएं पुनः प्रवेश करने पर जल जाती हैं जिससे वायुमंडलीय प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ती है।

किसी व्यक्ति पर या किसी आबादी वाले क्षेत्र के पास अंतरिक्ष यान से छोटी वस्तुओं के गिरने की पिछली घटनाओं में से किसी ने भी किसी की जान नहीं ली है। आमतौर पर मामूली चोट से ज्यादा कुछ नहीं हुआ है। आबादी वाले क्षेत्रों के पास अंतरिक्ष मलबे के पाए जाने के कई मामले भी हैं जिनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल नासा का एक वैज्ञानिक उपग्रह 40 साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करने के बाद अलास्का के तट के पास गिर गया था। लेकिन इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ। पिछले साल रूस का भी एक उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में विखंडित हो गया था। इससे मलबे का जो गुबार पैदा हुआ वह लंबे समय तक कक्षा में बना रहेगा। इस विखंडन से उत्पन्न कम से कम 85 टुकड़ों को ट्रैक किया जा सकता है। चीन के उपग्रहों और रॉकेटों के टूटने बिखरने और पृथ्वी पर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। हर साल 200-400 वस्तुएं पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती हैं। सौभाग्य से पृथ्वी की आबादी इन गिरने वाली वस्तुओं से प्रभावित नहीं होती। हर साल एक उपग्रह दूसरे उपग्रहों या अंतरिक्ष मलबे से टकरा कर नष्ट हो जाता है। आज अंतरिक्ष में जमा हो चुका कचरा विकराल समस्या बन चुका है। अंतरिक्ष का कचरा पृथ्वी पर रोजमर्रा के जीवन को ठप कर सकता है। आज हम उपग्रहों पर जितने निर्भर हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। चाहे टेलीविजन के सिग्नल हों या मौसम की रिपोर्ट, हमें उपग्रहों की ही मदद लेनी पड़ती है। हमारे जीपीएस सिस्टम उपग्रहों के बगैर काम नहीं कर सकते। अंतरिक्ष के कचरे में पुराने उपग्रहों के कलपुर्जों के अलावा ऐसे उपग्रह भी शामिल हैं जो पुराने पड़ चुके हैं और जिन्होंने अब काम करना बंद कर दिया है। कचरे के टुकड़ों में नट और बोल्ट भी शामिल हैं जो अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक के दौरान गुम हो गए थे।

अंतरिक्ष में कचरे की बढ़ती हुई मात्रा से किसी न किसी बिंदु पर कोई बड़ी टक्कर हो सकती है। अंतरिक्ष में उपग्रहों के बीच टक्कर का एक नजारा दुनिया ने फरवरी, 2009 में देखा था,जब एक बेकार रूसी उपग्रह और एक अमेरिकी दूरसंचार उपग्रह आपस में टकरा गए थे। यदि कचरे के दो बड़े टुकड़े आपस में टकराते हैं तो वे अंतरिक्ष में हजारों छोटे-छोटे टुकड़े बिखेर देंगे। सैद्धांतिक तौर पर ये सारे टुकड़े 'सैटेलाइट किलर' हो सकते हैं। ये टुकड़े दूसरे ग्रहों अथवा उपग्रहों से टकरा कर नया मलबा उत्पन्न कर सकते हैं। यदि अंतरिक्ष में टुकड़ों के बीच टक्कर से कोई चेन रिएक्शन शुरू होता है तो इससे न सिर्फ पृथ्वी के दूरसंचार और जीपीएस सिस्टम ध्वस्त हो जाएंगे, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। अंतरिक्ष में कचरा जमा होने की वर्तमान दर जारी रही तो पृथ्वी से नए अंतरिक्षयान छोड़ना भी मुश्किल हो जाएगा।

जलवायु परिवर्तन से आने वाले समय में पृथ्वी की कक्षा में तैनात उपग्रहों के लिए खतरा बढ़ जाएगा और अंतरिक्ष प्रदूषण की समस्या बढ़ेगी। ग्लोबल वार्मिंग के चलते पृथ्वी के वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ऊपरी वायुमंडल में इस गैस का बढ़ा हुआ स्तर वायु घनत्व में दीर्घकालिक गिरावट का कारण बनेगा। यह कम घनत्व ऊपरी वायुमंडल में 90 और 500 किलोमीटर की ऊंचाई पर परिक्रमा करने वाली वस्तुओं पर खिंचाव को कम करेगा। इससे अंतरिक्ष मलबे का जीवनकाल बढ़ेगा और उपग्रहों के साथ मलबे के टकराव की संभावना बढ़ जाएगी। इन टक्करों से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं क्योंकि समाज नौसंचालन प्रणालियों, मोबाइल संचार और पृथ्वी की निगरानी के लिए उपग्रहों पर अधिक से अधिक निर्भर होता जा रहा है। एक अध्ययन के अनुसार मार्च, 2021 तक पृथ्वी की निचली कक्षा में 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक लगभग 5,000 सक्रिय और निष्क्रिय उपग्रह थे। कई कंपनियां अगले दशक में हजारों और उपग्रह जोड़ने की योजना बना रही हैं। सेवामुक्त कर दिए जाने के बाद भी उपग्रह परिक्रमा करना जारी रखते हैं, लेकिन वायुमंडलीय खिंचाव के कारण उनकी रफ्तार धीरे-धीरे धीमी हो जाती हैं। वे नीचे आने लगते हैं और अंततः निचले वायुमंडल में पहुंच कर जल जाते हैं। अंतरिक्ष मलबे से संबंधित समन्वय कमेटी द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशा-निर्देश सलाह देते हैं कि उपग्रह संचालक यह सुनिश्चित करें कि निष्क्रिय किए गए उपग्रह 25 वर्षों के भीतर कक्षा से हट जाएं। लेकिन कम वायुमंडलीय घनत्व से प्लानिंग और गणना में त्रुटियां उत्पन्न होती हैं।

आज का इतिहास

- मैसूर के सुल्तान हैदर अली और अंग्रेज सेना के बीच पोर्टो नोवो (अब परांगीपेट्टई) का युद्ध 1781 में हुआ।
- 1 जुलाई, 1852 को सिन्ध के मुख्य आयुक्त सर बर्टलेफ्रोरे द्वारा सिर्फ़ सिंध राज्य में और मुंबई कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए ' सिंध डाक' नामक डाक टिकट जारी किया गया।
- कलकत्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन 1862 में हुआ।
- कनाडा यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 1878 में शामिल हुआ।
- भारत में 1879 को पोस्टकार्ड की शुरुआत हुई।
- 1881 में आज ही के दिन टेलीफोन पर पहली बार इंटरनेशनल कॉल की गई।
- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की स्थापना 1921 में हुई।
- मुहम्मद अली जिन्ना ने 1948 में पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक का उद्घाटन किया
- त्रावनकोर-कोचीन राज्य 1949 में बना दिया गया, किंतु मालाबार मद्रास प्रांत के अधीन रहा।
- इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का 1955 में राष्ट्रीयकरण कर इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया नाम दिया गया।
- यूएस पोस्ट ऑफिस ने 1963 में जिप कोड प्रणाली को लागू किया।
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना 1964 में हुई।
- तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में राष्ट्रीय विकास के लिए 20 सूत्रीय कार्यक्रमों की घोषणा की।
- इलेक्ट्रानिक उपकरण बनाने वाली कंपनी सोनी ने 1979 में वाकमैन पेश किया।
- न्यूयॉर्क में खेल को 1987 में समर्पित स्टेशन 'डब्लूएएफएन' स्थापित किया किया।
- पूर्वी एवं पश्चिमी जर्मनी के बीच सीमा रेखा की समाप्ति एवं पश्चिमी जर्मनी की मुद्रा को पूर्वी जर्मनी में 1990 को मान्यता मिली।
- बारसा संधि 1991 में भंग की गयी।
- यासर अराफ़ात 1994 में 27 साल के निर्वासन के बाद स्वदेश वापस लौटे थे।
- रोमान हर्जोग द्वारा जर्मनी के नये राष्ट्रपति के रूप में 1994 को शपथ ग्रहण की।
- सं.रा. अमेरिका ने 1995 में ताईवान के ख़िलाफ़ लगाये गये प्रतिबंध को हटाया।
- ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रांत में 1996 को स्वेच्छा मृत्यु क़ानून विश्व में पहली बार लागू।
- ब्रिटिश सरकार ने 1997 में हांगकांग का शासन चीन को सौंपा था।
- देश की पहली साइंस सिटी 1997 को कोलकाता में स्थापित की गई।
- लार्ड्स के 100वें ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 2000 में वेस्टइंडीज को हराया।
- समुद्र में 2003 को सबसे गहराई तक जाकर विश्व कीर्तिमान बनाने वाली जापानी पनडुब्बी प्रशांत महासागर में लापता।
- आसियान ने 2004 में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से निपटने हेतु ऑस्ट्रेलिया से समझौता किया।
- एशियाई युवा शतरंज चैम्पियनशिप में भारत ने 2006 में 8 स्वर्ण जीते।
- अमेरिकी संसद की समितियों ने 2006 में भारत-अमेरिकी परमाणु समझौते को मंजूरी प्रदान की।
- ईराक में 2006 को अलकायदा के वांछित नेता अबू अमूब अल मसरी पर अमेरिका ने 50 लाख डालर का इनाम रखा।
- परिमार्जन 2006 को आज तक के सबसे कम उम्र के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने।
- इंग्लैंड में 2007 को सार्वजनिक स्थलों पर स्मोकिंग पर प्रतिबंध प्रभावी हुआ।

कुएं बचाने से ही बच पायेगा जीवन

अभी गर्मी शुरू ही हुई है, इसके बावजूद बुंदेलखंड के बड़े शहरों में से एक छतरपुर के हर मोहल्ले में पानी की त्राहि-त्राहि शुरू हो गई है। तीन लाख से अधिक आबादी वाले इस शहर में सरकार की तरफ से लगाए गए कोई 2100 हैंडपंपों में से अधिकांश या तो हांफ रहे हैं या सूख गए हैं। ग्रामीण अंचलों में भी हर बार की ही तरह हैंडपंप से कम पानी आने की शिकायत आ रही है। पानी की कमी के चलते छुट्टा मवेशियों की समस्या रबी की फसल के लिए खतरा बन गई है। सारे देश में बरसात के बीत जाने के बाद पानी की त्राहि-त्राहि अब सामान्य बात हो गई है। हताश जनता को जमीन की छाती चीर कर पानी निकालने या बड़े बांध के सपने दिखाये तो जाते हैं लेकिन जमीन पर कहीं पानी दिखता नहीं। आखिर नदियों में भी तो प्रवाह घट ही रहा है। आने वाले साल मौसमी बदलाव की मार के कारण और अधिक तपेंगे और पानी की मांग बढ़ेगी। ऐसे में हमारे पारंपरिक कुएं ही मानव-अस्तित्व को बचा सकते हैं।

हमारे आदि-समाज ने कभी बड़ी नदियों को छेड़ा नहीं, वे बड़ी नदी को अविरल बहने देते थे़ साल के किसी बड़े पर्व-त्योहार पर वहां एकत्र होते बस। खेत-मवेशी के लिए या तो छोटी नदी या फिर तालाब-झील। घर की जरूरत जैसे पीने और रसोई के लिए या तो आंगन में या फिर बसाहट के बीच का कुआं काम करता था। यदि एक बाल्टी की जरूरत है तो इंसान मेहनत से एक ही खींचता था। किफायत से खर्च करता। अब की तरह नहीं कि बिजली की मोटर से एक गिलास पानी की जरूरत के लिए दो बाल्टी पानी बर्बाद कर दिया जाए।

पंजाब की प्यास भी बड़ी गहरी है। पांच नदियों के संगम से बना यह समृद्ध राज्य खेती के लिए अंधाधुंध भूजल दोहन के कारण पूरी तरह 'डार्क ज़ोन' में है। यहां 150 में से 117 ब्लॉक में भूजल लगभग सिमट चुका है। कुछ साल पहले पलट कर देखें तो पाएंगे कि इस राज्य को खुश और हराभरा बनाने वाले दो लाख कुएं थे। जो अब बंद पड़े हैं। गुरु की नगरी अमृतसर में ही 1200 कुएं हुआ करते थे। इस शहर में पाइप से पानी घर तक भेजने का काम सन? 1886 में शुरू हुआ था और तब शहर की प्यास बुझाने का जिम्मा 1200 कुओं पर था। जो अब या तो लुप्त हो गए या बेपानी हैं।

भारत के लोक जीवन में परंपरा रही है कि घर में बच्चे का जन्म हो या फिर नई दुल्हन आए, घर-मोहल्ले के कुएं की पूजा की जाती है- जिस इलाके में जल की कीमत जान से ज्यादा हो वहां अपने घर के इस्तेमाल का पानी उगाहने वाले कुएं को मान देना तो बनता ही है। बीते तीन दशकों के दौरान भले ही प्यास बढ़ी हो, लेकिन सरकारी व्यवस्था ने घर में नल या नलकूप का ऐसा प्रकोप बरपाया कि पुरखों की परंपरा के निशान कुएं गुम होने लगे। अब कुओं की जगह हैंडपंप पूज कर ही परंपरा पूरी कर ली जाती है। वास्तव में हर नए जीवन को सीखना होता था कि आंगन का कुआं ही जीवन का सार है। समझना होगा कि असली समस्या कम बरसात या तीखी गर्मी नहीं है, वह तो यहां सदियों, पीढ़ियों से होता रहा है। पहले यहां के बाशिंदे कम पानी में जीवन जीना जानते थे। आधुनिकता की अंधी आंधी में पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र नष्ट हो गए और उनकी जगह सूखा और सरकारी राहत जैसे शब्दों और नैसर्गिक जल साधनों के अधिक से अधिक शोषण की नीतियों ने ले ली। बड़े करीने से यहां के आदि-समाज ने बूंदों को बचाना सीखा था। दो तरह के तालाब- एक केवल पीने के लिए, दूसरे केवल मवेशी व सिंचाई के। पहाड़ की गोदी में बस्ती और पहाड़ की तलहटी में तालाब। तालाब के इर्दगिर्द कुएं ताकि समाज को जितनी जरूरत हो, उतना पानी ले। पिछले साल ही संसद में बताया गया कि छठवें लघु सिंचाई गणना के आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी भी 82 लाख 78 हजार 425 कुएं बकाया हैं। इनमें सबसे अधिक 27 लाख 49 हजार 88 उस महाराष्ट्र में हैं जहां किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा सर्वाधिक है। उसके बाद उस मध्य प्रदेश में 13 लाख 36 हजार 682 कुओं की चर्चा अकारण होगी जहां प्यास और पलायन के कारण बदनाम बुंदेलखंड है। तमिलनाडु में इससे अधिक 15 लाख 77 हजार 198 कुएं हैं लेकिन आज भी इस राज्य में ऐरी पद्धति के चलते दूरस्थ अंचल तक तालाब-कुओं का प्रबंधन बेहतर है। दुर्भाग्य है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में महज 85224 कुओं का रिकार्ड मिल पाया। अकेले लखनऊ में 12653 कुओं व तालाब का रिकार्ड तो सरकारी फाइल में ही है।

यदि बुंदेलखंड में ही देखें तो आज भी कुओं के नाम पर सार्वजनिक नल-जल योजनाएं चल रही हैं। कुओं का रखरखाव कम खर्चीला है। कुओं के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन से धरती को गर्म नहीं करते। कुओं को थोड़ी-सी बरसात होने पर भी हर बूंद को एकत्र करने का पात्र बनाना बहुत सरल होता है। प्राचीन जल संरक्षण व स्थापत्य के बेमिसाल नमूने रहे कुओं को ढकने, उनमें मिट्टी डाल कर बंद करने और उन पर दुकान-मकान बना लेने की रीत वर्ष 90 के बाद तब शुरू हुई जब लोगों को लगने लगा कि पानी, वह भी घर में मुहैया करवाने की जिम्मेदारी सरकार की है। फिर आबादी के बोझ ने जमीन की कीमत को प्यास से अधिक महंगा बना दिया। तरह-तरह की मशीन बेचने वालों ने खुले कुएं के पानी को अशुद्ध और बीमारी का घर बताने के प्रचार किये। सनद रहे जब तक कुएं से बाल्टी डाल कर पानी निकालना जारी रहता है उसका पानी शुद्ध रहता है, जैसे ही पानी ठहर जाता है, उसकी दुर्गति शुरू हो जाती है।

कई करोड़ की जल-आपूर्ति योजनाएं अब जल-स्रोत की कमी के चलते अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पा रही हैं। यह समझना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन के साल दर साल गहराने के चलते भारत में लघु व स्थानीय परियोजनाएं ही जल संकट से जूझने में समर्थ हैं। अभी भी देश में बचे कुओं को कुछ हजार रुपये खर्च कर जिंदा किया जा सकता हे। एक बार कुओं में पानी आ गया तो समाज फिर खुद लोक परंपरा और प्यास दोनों के लिए कुओं पर निर्भर हो जाएगा।

लेवल प्लेयिंग फील्ड

इस दौरान चुनाव आयोग ने यह व्यवस्था की कि देश की लगभग सभी जांच एजेंसियां राजनीतिक दलों और उनके प्रत्याशियों के खिलाफ किया जा रहे अपने कार्यों पर लगाम लगाएं और जरूरी कार्यवाही को चुनाव के बाद के लिए छोड़ दें। भारत दुनिया में ऐसा अनूठा देश है ?िक चुनाव के दौरान यहां की स्वतंत्र न्यायपालिका भी स्वयं को चुनाव संबंधी विवादों से दूर कर लेती है और सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर छोड़ देती है।

भारत की राजनीतिक प्रशासनिक प्रणाली के बारे में हमारे संविधान निर्माताओं का नजरिया बहुत स्पष्ट था। उन्होंने जो व्यवस्था हमारे हाथ में सौंपी उसमें चुनाव आयोग का गठन एक महत्वपूर्ण संवैधानिक काम था। चुनाव आयोग का गठन करके हमारे संविधान निर्माताओं ने सुनिश्चित किया कि भारत के प्रत्येक नागरिक के पास एक वोट के अधिकार का पूरी तरह निष्पक्ष रूप से सदुपयोग करने का अधिकार होना चाहिए। चुनाव के समय उसके और प्रत्याशी के बीच में कोई तीसरी भौतिक या अदृश्य शक्ति नहीं होनी चाहिए जिससे वह अपना वोट निडर और निष्पक्ष होकर स्वतंत्र रूप से दे सके। इन परिस्थितियों के निर्माण के लिए चुनाव आयोग को यह अधिकार दिए गए कि वह चुनाव के समय देश की पूरी प्रशासन व्यवस्था को अपने हाथ में इस प्रकार से ले की सत्ता पर काबिज सरकार केवल दैनिक कामकाज के कार्यों को निपटाने में ही अपना योगदान कर सके। स्वतंत्र भारत में यह कार्य इतनी स्वच्छता और शुद्धता के साथ हुआ की राजनीतिक दलों को जब भी चुनाव के दौरान यह आभास हुआ कि उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव किया जा रहा है तो उन्होंने इसकी शिकायत सीधे चुनाव आयोग से की और चुनाव आयोग ने उनकी शिकायतें निपटाने के लिए यथायोग्य तरीका अपनाया। इसे ही चुनाव के दौरान लेवल प्लेयिंग फील्ड या एक समान परिस्थितियों का नाम दिया गया।

इस दौरान चुनाव आयोग ने यह व्यवस्था की कि देश की लगभग सभी जांच एजेंसियां राजनीतिक दलों और उनके प्रत्याशियों के खिलाफ किया जा रहे अपने कार्यों पर लगाम लगाएं और जरूरी कार्यवाही को चुनाव के बाद के लिए छोड़ दें। भारत दुनिया में ऐसा अनूठा देश है ?िक चुनाव के दौरान यहां की स्वतंत्र न्यायपालिका भी स्वयं को चुनाव संबंधी विवादों से दूर कर लेती है और सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर छोड़ देती है। हमारे पुरखों ने चुनाव आयोग को न्यायिक अधिकार भी दिए जो कि राजनीतिक दलों की कार्यप्रणाली को देखने के बारे में हैं। ये न्यायिक अधिकार इसीलिए दिए गए जिससे राजनीतिक दल भारत के संविधान के भीतर रहते हुए अपने कार्यों को अंजाम दे सकें। निश्चित रूप से प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग अथवा सीबीआई देश की सर्वोच्च जांच एजेंसियां हैं परंतु चुनाव के दौरान ये शिथिल पड़ जाती हैं इसका कारण यह नहीं है कि एजेंसियां अपना काम करने में कोई कसर रखना चाहती हैं बल्कि इसका कारण यह है कि चुनाव के दौरान ये एजेंसियां ऐसा वातावरण नहीं बनने देना चाहती जिससे मतदाताओं को यह न लगे कि किसी राजनीतिक दल या प्रत्याशी के साथ भेदभाव किया जा रहा है। चुनाव आयोग पहले ही सभी प्रत्याशियों से उनका आपराधिक विवरण लिखवा कर ले लेता है जो जनता के समक्ष होता है अतः जनता यह जानती है कि उनके खिलाफ कौन-कौन से आपराधिक मामले अदालतों के विचाराधीन हैं या विभिन्न जांच एजेंसियों के घेरे में हैं। इसका मतलब यह हुआ ?िक चुनाव आयोग देश की जनता से कुछ भी छुपाता नहीं है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध आयकर विभाग ने 3500 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को बकाया बताया है उसके बारे में इसका सर्वोच्च न्यायालय में कहना है कि वह इस बारे में चुनाव के दौरान कोई दंडात्मक कार्रवाई करने नहीं जा रहा है। इसका अर्थ है कि आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी के बारे में जो जांच चल रही है उसके बारे में खुलासा किया है और यह मामला अदालत में है क्योंकि आज सर्वोच्च न्यायालय में आयकर विभाग ने यह घोषणा की तो इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी को विभिन्न बैंकों में रखे गए अपने धन को निकालने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। आयकर विभाग इस बारे में चुनाव समाप्त हो जाने के बाद आगे की कार्रवाई करेगा। वैसे यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत में राजनीतिक दलों से आयकर नहीं लिया जाता है उन्हें केवल हर वर्ष का अपना आय-व्यय का विवरण आयकर विभाग में जमा करना होता है।

कांग्रेस पार्टी पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि उसने कुछ पिछले वर्षों का आयकर विवरण विभाग को नहीं दिया इसके बारे में आयकर विभाग उसे 3500 करोड़ रुपए से अधिक के अभी तक नोटिस भेज चुका है। आम जनता की समझ में यह तर्क थोड़ा मुश्किल से आएगा कि जब किसी राजनीतिक दल से आयकर लिया ही नहीं जाता तो उस पर हजारों करोड़ का आयकर बकाया किस प्रकार हो सकता है।

जारी है दलितों से भेदभाव

कोलकाता के बारे में ये माना जाता है कि ये आधुनिकता की भूमि है और यहां के लोग काफी आधुनिक हैं, ये सामाजिक नवजागरण का भी केन्द्र रहा है। लंबे समय तक वहां वामपंथियों का भी शासन रहा फिर ऐसी क्या वजह है कि कोलकाता के भद्रलोक मोहल्लों में दलित अनुपस्थित हैं। शोध का विषय ये भी है कि कोलकाता में सिर्फ 5 फीसदी दलित क्यों हैं जबकि पश्चिम बंगाल में 23 फीसदी से ज्यादा दलित हैं।

भारत में दलितों से जाति व्यवस्था के कारण क्रूर हिंसा और उत्पीड़न होता रहा है। तमाम कानूनों के बावजूद देश में आज भी दलितों से भेदभाव की घटनाएं सामने आ जाती हैं। इतिहास को देखें तो महाभारत लिखने वाले वेदव्यास भी मछुवारे थे परंतु वह महर्षि बन गए और गुरुकुल चलाते थे। विदुर जिन्हें महापंडित कहा जाता है वो एक दासी के पुत्र थे। वह हस्तिनापुर के महामंत्री बने और उनकी लिखी हुई विदुर नीति राजनीति का महाग्रंथ है। भगवान श्रीराम के साथ बनवासी निषादराज भी राज गुरुकुल में पढ़ते थे। उनके पुत्र लव-कुश महर्षि वाल्मीकि के गुरुकुल में पढ़े। वैदिक काल की बात करें तो कोई किसी का शोषण नहीं करता था। सबको शिक्षा का अधिकार था। कोई भी अपनी योग्यता के अनुसार पद पर पहुंच सकता था। आखिर जन्म आधारित जातीय व्यवस्था कैसे शुरू हुई इस पर तो बहुत कुछ लिखा जा सकता है लेकिन यह वास्तविकता है कि स्वार्थी नेताओं ने जातिवाद का पूरी तरह से राजनीतिकरण कर दिया और यह आज तक जारी है। राजस्थान के अलवर जिले में 8 साल के एक दलित बच्चे की बेरहमी से पिटाई की गई क्योंकि उसने ऊंची जाति के शख्स की पानी की बाल्टी को छू लिया था। इतना ही नहीं मारपीट करने वाले ने बच्चे के पिता और परिवार के खिलाफ जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल भी किया। चौथी क्लास का बच्चा गांव के सरकारी स्कूल में लगे हैंडपम्प पर पानी पीने गया था तब उसने पानी की बाल्टी को छू लिया था। बच्चा इतना भयभीत हो गया कि अब वह स्कूल जाने से भी डर रहा है। पुलिस ने एससी-एसटी कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यद्यपि आज के आधुनिक दौर में जा?तिवाद कम हुआ है लेकिन विभिन्न शोध आज भी इस भ्रम को तोड़ते नजर आते हैं। माना जा रहा है कि शहरीकरण और आधुनिकीकरण के साथ जाति और गौत्र जैसी प्राचीन और परम्परागत पहचान धूमिल हो रही है लेकिन वास्तविकता यह है कि शहरों में बस्तियां जातियों के आधार पर बसी हुई हैं और सवर्णों के मोहल्लों में दलितों को अक्सर ठिकाना नहीं मिलता। गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कई शहरों में ऐसा देखा गया है। बेंगलुरू शहर में आईटी क्रांति के बाद बसी आधुनिक बस्तियों में भी दलितों के न होने का चलन दिखाई देता है। आधुनिक अपार्टमैंटों में दलित बेहद कम हैं।

कोलकाता के बारे में ये माना जाता है कि ये आधुनिकता की भूमि है और यहां के लोग काफी आधुनिक हैं, ये सामाजिक नवजागरण का भी केन्द्र रहा है। लंबे समय तक वहां वामपंथियों का भी शासन रहा फिर ऐसी क्या वजह है कि कोलकाता के भद्रलोक मोहल्लों में दलित अनुपस्थित हैं। शोध का विषय ये भी है कि कोलकाता में सिर्फ 5 फीसदी दलित क्यों हैं जबकि पश्चिम बंगाल में 23 फीसदी से ज्यादा दलित हैं। वहीं गुजरात में ये देखा जाना चाहिए कि जिस राज्य के बारे में ये मिथक है कि यहां हिन्दू और मुसलमान अलग-अलग रहते हैं उस राज्य में दलितों को शहरी मोहल्ले से दूर रखने का चलन सबसे ज्यादा क्यों है? गुजरात का जातिवाद इतने लम्बे समय से छिपा हुआ क्यों रहा? राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश के कई शहरों में सवर्णों के मोहल्लों में आज भी दलित दूल्हे घोड़ी पर सवार होकर बारात नहीं ले जा सकते। अनेक घटनाएं सामने आती हैं जो शर्मसार कर देने वाली हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दलित लड़कियों से बलात्कार, उन्हें जिंदा जलाने की घटनाएं सामने आती रही हैं, कभी दलितों की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती है, कभी मंदिरों में आयोजित प्रतिभोज के दौरान उनके अलग बैठने की व्यवस्था की जाती है। दलित महिलाओं के साथ दूसरे या तीसरे नागरिक की तरह व्यवहार किया जाता है। केवल यह कहना कि देश में जातिवाद केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही है उचित नहीं है। शहरों में भी दलितों के साथ कहीं न कहीं भेदभाव हो रहा है। दलितों के पास जमीनें बहुत कम हैं या नहीं के बराबर हैं। अगड़ी जाति के लोगों ने उनकी जमीनें हड़प ली हैं। सरकारों के पास उनकी जमीन देने की क्षमता नहीं है और न ही उन्हें नौकरियां मिल रही हैं। 2018 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित वेमुला की आत्महत्या के बाद अन्याय, उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ दलितों का मुखर आंदोलन शुरू हुआ था और हैदराबाद से सुलगी चिंगारी गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में देखते ही देखते फैल गई थी।

बधाई हो, हम वर्ल्ड चैंपियन हैं

कोहली का बल्ला चला, हार्दिक-बुमराह ने साउथ अफ्रीका से जीत छीनी, सूर्या का कैच टर्निंग पॉइंट

बारबाडोस ● एजेंसी

2011 के बाद आंखें तरस गई थीं कि कोहली या रोहित वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाएं। 13 साल का लंबा इंतजार खत्म हुआ। रोहित की टीम ने साउथ अफ्रीका से टी-20 वर्ल्ड कप छीन लिया। ऐसा फाइनल जीता, जिसे हर कोई हारा हुआ मान बैठा था। पूरे वर्ल्ड कप जमकर बल्लेबाजी कर रहे रोहित फाइनल में नहीं चले, पर कोहली अड़ गए। 76 रन बनाए। अक्षर और शिवम ने भी पूरा जोर लगाया। 177 रन का टारगेट दिया। साउथ अफ्रीका बल्लेबाजी के लिए उतरी। 14 ओवर तक तक उनके बल्लेबाज तेजी से जीत की तरफ बढ़ रहे थे। इसके बाद जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या गेंदबाजी के लिए लौटे और इंडिया की मैच में वापसी हुई। सूर्यकुमार यादव रन नहीं बना पाए थे, लेकिन एक कैच से मैच पलट दिया आखिरी ओवर तक इंडिया लड़ती रही और जीत छीन ली। 177 रन चेज कर रही साउथ अफ्रीका को 169 पर रोक दिया। 7 रन से हरा दिया। 32 साल से चोकर्स कही जा रही साउथ अफ्रीका इस बार भी दाग लेकर ही लौटी।

फाइनल से पहले विराट ने 7 मैच में टोटल 75 रन बनाए थे। फाइनल में ही 76 रन बना डाले। ऐसे समय में जब इंडिया पावरप्ले में ही रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट खो दिए थे। 176 के स्कोर में सबसे ज्यादा रन विराट ने ही बनाए।

जीत की 2 वजहें...

1. इंडिया की 2 बड़ी साझेदारियां

विराट कोहली पहले ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 19वें ओवर तक जमे रहे। 76 रन बनाए। इस पारी के अलावा दो साझेदारियां ऐसी थी,जिसने स्कोर 176 तक पहुंचाया। कोहली ने पहले अक्षर पटेल के साथ 72 रन की साझेदारी की, इसके बाद शिवम दुबे के साथ 57 रन जोड़े।

2. इंडियन पेसर्स ने आखिरी 4 ओवर में गेम पलटा

भारतीय तेज गेंदबाजों ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह, अर्शदीप और पंड्या की तिकड़ी ने मिलकर 7 विकेट चटकाए। इन तीनों ने आखिरी 5 ओवर में 30 रन नहीं बनने दिए। बुमराह ने बाद के 2 ओवर्स में 6 रन दिए और एक विकेट लिया। हार्दिक ने 2 ओवर में 12 रन दिए और 3 विकेट लिए। अर्शदीप ने एक ओवर किया और 4 रन दिए। इन ओवर्स ने मैच जिता दिया।

टर्निंग पॉइंट

1. क्लासन का विकेट

15वां ओवर फेंकने अक्षर आए, हेनरिक क्लासन ने उनकी 6 गेंदों पर 24 रन बना डाले। इसके बाद बुमराह के ओवर में सिंगल लेकर 50 पूरी की। अब 24 गेंदों में सिर्फ 26 रन जीत के लिए चाहिए थे। 17वें ओवर में हार्दिक आए और पहली ही गेंद पर क्लासेन का विकेट लिया। यही वो विकेट था, जिसके बाद टीम इंडिया की जीत की उम्मीद जिंदा हुई।

2. सूर्या का यादगार कैच, खतरनाक मिलर आउट हुए

6 गेंदों में साउथ अफ्रीका को 16 रन बनाने थे और क्रीज पर थे डेविड मिलर। हार्दिक ने ऑफ स्टंप पर लो फुलटॉस डाली। मिलर ने शॉट खेला जो बाउंड्री पार जा रहा था। सूर्यकुमार बाउंड्री के बाहर जाते हुए कैच पकड़ा, गेंद उछाली और बाउंड्री के भीतर आकर कैच कंपलीट किया।

जीत के बाद क्रिकेटर्स के बयान...

इससे बेहतरीन क्षण कुछ और नहीं हो सकता- जसप्रीत बुमराह

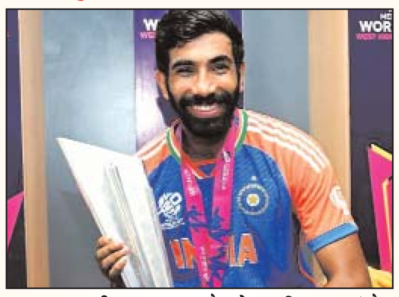

यह काफ़ी अहम क्षण है। मेरा परिवार यहां है। इससे बेहतरीन क्षण कुछ और नहीं हो सकता। इस पूरे टूर्नामेंट में मैंने गेंद के हिसाब से बॉलिंग करने का प्रयास किया। इस ट्रॉफी को जीतने के लिए हमने कड़ी मेहनत की है। (18वें ओवर पर), गेंद रिवर्स स्विंग हो रही थी और मैं लेंथ पर ही गेंद डालने का प्रयास कर रहा था।

भारत के लिए यह मेरा आखिरी टी-20 मैच था- विराट कोहली

यह मेरा अंतिम टी-20 वर्ल्ड कप था और हम इसे जीतना चाहते थे। यह भारत के लिए मेरा आखिरी टी20 मैच था। मुझे लगता है कि यह संन्यास लेने का सही समय है और अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी इस विरासत को आगे लेकर जाए। यह एक ओपन सीक्रेट था। यह रोहित का 9वां विश्व कप था, जबकि मेरा छठा टी20 वर्ल्ड कप था। मैं पिछले कुछ मैचों में अच्छा नहीं कर रहा था। इस समय मेरे अंदर की भावनाएं बाहर नहीं आ पाएंगी।

गौरवान्वित महसूस हो रहा हूं- अक्षर पटेल

इस बार मैंने सोचा था कि मुझे भारत के लिए कुछ करना है और मुझे काफ़ी गौरवान्वित महसूस

हो रहा है। पिछले कुछ समय से काफ़ी चोटिल हो रहा था। रोहित एक बेहतरीन इंसान हैं, उन्होंने भारत को बेहरीतन ढंग से लीड किया है। तीन विकेट गिर गए थे और अचानक राहुल भाई ने मुझे बताया कि मुझे बल्लेबाज़ी के लिए जाना है।

हमें जीत का भरोसा था- हार्दिक पंड्या

हार्दिक पंड्या ने जीत के बाद कहा कि हमें पूरा भरोसा था कि हम कहीं से भी मैच को जीत सकते हैं। जस्सी को क्रेडिट जाता है, जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की। मेरी यही रणनीति थी कि योजना को लागू करूं। द्रविड़ के लिए काफी खुश हूं। वे एक बेहतरीन इंसान हैं, मेरे उनके साथ रिश्ते काफी अच्छे हैं।

मुझे जस्सी भाई पर भरोसा था- मोहम्मद सिराज

मैच के बाद मोहम्मद सिराज ने कहा कि मुझे जस्सी भाई पर पूरा भरोसा था। वे गेम चेंजर खिलाड़ी हैं। मैं इस समय अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकता। हर एक पेशेवर क्रिकेटर वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतना चाहता है। मैं अपने आपको भाग्यशाली मानता हूं।

रोहित-कोहली के नक्शेकदम पर रवींद्र जडेजा, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नक्शेकदम पर चलते हुए रवींद्र जडेजा ने भी भारत की टी20 विश्व कप 2024 जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी है। भारत के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 रन की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की। जडेजा ने लिखा, %कृतज्ञता से भरे दिल के साथ मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, जयकारों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।% महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम में जगह बनाने के बाद से स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर ने लंबा सफर तय किया है। लेकिन हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। फरवरी 2009 में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से उन्होंने जिन 74 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें कुल 515 रन बनाए हैं और सबसे छोटे प्रारूप में 54 विकेट लिए हैं। बल्ले से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 29 गेंदों पर 46 रन बनाए, जो अंतर साबित हुआ क्योंकि उन्होंने खेल को 49 रनों से जीत लिया। गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2021 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ था, जहां उन्होंने दुबई में 3/15 के आंकड़े हासिल किए थे। जडेजा के बारे में सबसे उल्लेखनीय विशेषता उनकी फील्डिंग रही है। ऐसे समय में जब हमारे पास सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी थे, सौराष्ट्र के ऑलराउंडर अपने करियर में कई मौकों पर लक्ष्य को हिट करने की अपनी क्षमता के साथ और भी अधिक उभरने में कामयाब रहे।

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 266 पर ढेर, भारत ने बनाई 337 रनों की बढ़त

चेन्नई ● एजेंसी

स्नेह राणा (आठ विकेट) के शानदार स्पैल की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच मेहमान दक्षिण अफ्रीका रविवार को पहली पारी में 266 रन पर ढेर कर 337 रनों की बढ़त बना ली है। आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 236 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। कल दिन खेल समाप्त होने के समय मैरिजान कप्प (69) और नडीन डी क्लर्क ने (27) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्नेहा राणा ने शुरुआत स्पैल में मैरिजान कप्प (74) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका दिया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 30 रन जोड़कर ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गई। नडीन डी क्लर्क (39), सिनालो जाफ्टा (शून्य), अनरी डकर्सन (5), मासाबाटा क्लास (1) और नोनकुलुलेको म्लाबा (2) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर सिमट गई। भारत को पहली पारी में बनाए गए (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) के स्कोर के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिली है। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 25.3 में 77 रन पर आठ विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को 21 ओवर में 47 रन देकर दो विकेट मिले।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम बोले- यह दिल को झकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन ● एजेंसी

टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की। आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।% इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है। हार के गम के बावजूद मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है।% मारक्रम ने कहा, 'यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी। मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास% के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।% भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है।

व्यापार

जोमैटो को कर्नाटक से रूपए 9.5 करोड़ का GST नोटिस

टैक्स डिपार्टमेंट के इस आदेश के खिलाफ अपील फाइल करेगी कंपनी

नई दिल्ली ● एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को कर्नाटक के टैक्स डिपार्टमेंट ने 9.5 करोड़ रुपए का तस्ज्ञ, इंटरेस्ट और जुर्माने का नोटिस दिया है। कंपनी ने इस बात की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। जोमैटो की फाइलिंग के मुताबिक, कर्नाटक टैक्स अथॉरिटी ने कंपनी को 5.01 करोड़ रुपए का गुड्स एंड सर्विस टैक्स (GST), 3.93 करोड़ रुपए इंटरेस्ट और 50,19,546 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कंपनी को यह नोटिस वित्त वर्ष 2019-20 के लिए मिला है।

टैक्स नोटिस मिलने पर कंपनी ने कहा, हमारा मानना है कि हमारे पास मेरिट बेसिस पर पर एक स्ट्रॉग केस है और कंपनी उचित अथॉरिटी के सामने कर्नाटक टैक्स अथॉरिटी के आदेश के खिलाफ अपील फाइल करेगी।

मार्च में दिया था 23.26 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस

इससे पहले मार्च में कंपनी को कर्नाटक के टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों की ओर से 23.26 करोड़ रुपए की टैक्स डिमांड और पेनल्टी का नोटिस मिला था। तब कंपनी ने कहा था कि मेरिट्स के आधार पर उसका केस मजबूत है और वह उचित अथॉरिटी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी।

FY24 में कंपनी को रूपए 351 करोड़ का मुनाफा हुआ

वित्त वर्ष 2023-24 में जोमैटो को 351 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ जबकि पूरे साल का रेवेन्यू यानी आय 12,114 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी को 971 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था जबकि रेवेन्यू 7,079 करोड़ रुपए रहा था।

वहीं 2024 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 175 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी Q4FY23 में, जोमैटो को 188 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। ये लगातार चौथी तिमाही है जब कंपनी की कमाई हरे निशान में रही है।

चौथी तिमाही में आय 73% बढ़कर 3,562 करोड़ पहुंची

कंपनी का रेवेन्यू भी चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 73% बढ़कर 3,562 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी का रेवेन्यू ऐसे समय में बढ़ा है, जब ये सेक्टर कम मांग के दबाव से जूझ रहा है। पिछले साल की समान तिमाही में, जोमैटो ने 2,056 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया था।

टाटा कंज्यूमर को रूपए 171 करोड़ का टैक्स नोटिस मिला: इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने की डिमांड, कंपनी का मार्केट कैप रूपए 1.05 लाख करोड़

मुंबई स्नस्ष्टत्त फर्म टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (ञ्चष्टक्क) को असेसमेंट ईयर 2019-20 के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 171.83 करोड़ रुपए (ब्याज सहित) का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। टाटा कंज्यूमर ने फाइलिंग में कहा, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट कि टैक्स डिमांड स्वीकार्य नहीं है। कंपनी उक्त आदेश के खिलाफ अपील और सुधार की प्रोसेस में है। शुक्रवार को टाटा कंज्यूमर का शेयर 1.14% की बढ़त के साथ 1,098 रुपए पर बंद हुआ था। इसका मार्केट कैप 1.05 लाख करोड़ रुपए है। कंपनी ने बीते एक साल में अपने निवेशकों को 27.54% रिटर्न दिया है।

चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट रूपए 212 करोड़ रहा

टाटा कंज्यूमर का 31 मार्च 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 26.69% गिरकर रूपए 212.26 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में ये रूपए 289.56 करोड़ रहा था।

चौथी तिमाही में कंपनी का ऑपरेशन से कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू रूपए 3,926.94 करोड़ रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही में रूपए 3,618.73 करोड़ रहा था।

शेयर बाजार में अगले हफ्ते तेजी का अनुमान: FOMC मिनट्स, ऑटो सेल्स से लेकर FII फ्लो तक, यह फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई ● एजेंसी

शेयर बाजार में अगले हफ्ते तेजी देखने को मिल सकती है। FOMC मिनट्स, ऑटो सेल्स, डोमेस्टिक इकोनॉमिक डेटा, ग्लोबल इकोनॉमिक डेटा, FII-DII फ्लो और अपकमिंग IPO पर बाजार की नजर रहेगी।

यहां हम ऐसे फैक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे इस हफ्ते में बाजार की चाल तय होगी...

ऑटो सेल्स

जून महीने के ऑटोमोबाइल सेल्स के आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी, जो 1 जुलाई को सामने आएंगे। टूव्हीलर्स और पैसेंजर व्हीकल्स की सेल्स में ग्रोथ की उम्मीद है। कॉमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट में सेल्स फ्लैट रहने का अनुमान है।

डोमेस्टिक इकोनॉमिक डेटा

जून के लिए HSBC मैन्युफैक्चरिंग PMI के फाइनल आंकड़े 1 जुलाई को जारी होंगे। वहीं जून के लिए HSBC सर्विसेज एंड कंपोजिट PMI के फाइनल आंकड़े 3 जुलाई को सामने आएंगे।

28 जून को समाप्त सप्ताह के लिए फॉरेन एक्सचेंज के आंकड़े 5 जुलाई को जारी किए जाएंगे।

अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की स्पीच 2 जुलाई को होने वाली है। इसके मार्केट्स पर असर डालने की संभावना है।

ग्लोबल इकोनॉमिक डेटा

मार्केट पार्टिसिपेंट्स का फोकस FOMC मिनट्स और पॉवेल की स्पीच के अलावा अमेरिका में अनइंप्लॉयमेंट रेट, नॉन फार्म पेरोल, S&P ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग एंड सर्विसेज PMI, JOLTs जॉब ओपनिंग एंड एग्जिट डेटा और मंथली फैक्ट्री ऑर्डर डेटा पर भी होगा।

इसके अलावा अन्य विकसित और विकासशील देशों के मैन्युफैक्चरिंग PMI डेटा, ईसीबी नॉन मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग्स, यूरो इनफ्लेशन फ्लैश एंड अनइंप्लॉयमेंट रेट, जापान के जिबुन बैंक मैन्युफैक्चरिंग PMI डेटा और कंज्यूमर कॉन्फिडेंस पर भी बाजार की नजर रहेगी।

FII फ्लो

अगले सप्ताह फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) की एक्टिविटीज पर भी बाजार की नजर रहेगी। हालांकि, FII की निकासी की भरपाई डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DIIs) की ओर से पिछले सप्ताह इक्विटी बाजारों में लगातार मजबूत खरीद से हुई है।

प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, FII ने कैश सेगमेंट में 14,704 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। जबकि, DII ने 20,796 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। केंद्रीय बजट और जेपी मॉर्गन के बॉन्ड इंडेक्स में भारत के शामिल होने से पहले FII ने चुनावों के बाद निरंतर सुधारों की उम्मीदों से प्रेरित होकर जून में लगभग 26,565 करोड़ रुपए के भारतीय शेयर खरीदे थे।

एनालिस्टों ने कहा कि यह नई दिलचस्पी GDP ग्रोथ के बेहतर पूर्वानुमान और भारतीय कंपनियों की मजबूत आय के कारण है। इस साल अब तक FII ने 129,046 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं, जबकि DII ने इसी दौरान 236,325 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं।

इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)

1 जुलाई से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में 2 नए इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) ओपन होने जा रहे हैं। मेनबोर्ड सेगमेंट में एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज के IPO 3 जुलाई को ओपन और 5 जुलाई को क्लोज होंगे।

वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव किया: उनकी मौत के बाद बिल गेट्स फाउंडेशन को डोनेशन नहीं मिलेगा, बच्चे ट्रस्ट बनाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव किया है। अब उनकी मौत के बाद बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को डोनेशन जाना बंद हो जाएगा। इसके बजाय उनकी संपत्ति उनके तीन बच्चों की देखरेख में एक चैरिटेबल ट्रस्ट को दी जाएगी। वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में कई बार बदलाव किया है। इस बार उन्होंने अपने बच्चों की वैल्यु और उनकी विरासत को संभालने की क्षमता पर भरोसा जताया है। बफे ने कहा- मुझे अपने बच्चों और उनकी वैल्यु पर पूरा भरोसा है। इससे पहले बफे ने अपनी संपत्ति का 99% से अधिक हिस्सा गेट्स फाउंडेशन और 4 फैमिली चैरिटी इंस्टीट्यूशन को दान करने का इरादा जताया था। फिलहाल, वह अपने जीवनकाल में गेट्स फाउंडेशन को दान देना जारी रखेंगे।

18 सालों से फाउंडेशन के प्रति उदार रहे हैं वॉरेन बफे

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के CEO मार्क सुजमैन ने कहा, वॉरेन बफे 18 सालों से फाउंडेशन के प्रति अविश्वसनीय रूप से उदार रहे हैं। उन्होंने बफे की ओर से हाल में किए गए दान और उनके लगभग 43 बिलियन डॉलर (करीब 3 लाख करोड़) के कुल कॉन्ट्रिब्यूशन लिए आभार व्यक्त किया। पिछले साल बफे ने अपनी फैमिली की चैरिटी के लिए लगभग 870 मिलियन डॉलर और 2022 में लगभग 750 मिलियन डॉलर का दान दिया था। इन दान के बाद बफे के पास बर्कशायर हैथवे के 207,963 क्लास ए शेयर और 2,586 क्लास बी शेयर हैं, जिनकी वैल्यु लगभग 128 बिलियन डॉलर है।

NTPC को बोर्ड ने रूपए 12,000 करोड़ जुटाने की दी मंजूरी: बॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर जारी कर यह फंड जुटाएगी कंपनी

मुंबई ● एजेंसी

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन यानी NTPC लिमिटेड को कंपनी के बोर्ड ने 12,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी यह फंड बॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCDs) जारी कर जुटाएगी। NTPC ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। NTPC ने कहा, हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के बोर्ड ने शनिवार 29 जून 2024 को अपनी मीटिंग में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन फंड जुटाने के लिए अप्रूवल दे दिया है। कंपनी यह फंड सिक्योर्ड/अनसिक्योर्ड, रिडिमेबल, टैक्सेबल/टैक्स-फ्री, क्युमुलेटिव/नॉन-क्युमुलेटिव और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (बॉन्ड्स/NCDs) को जारी कर जुटाएगी।

NTPC के शेयर ने एक साल में दिया 100% रिटर्न

शुक्रवार को NTPC का शेयर 0.62% बढ़कर रूपए 379.50 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इसने 100.63% रिटर्न दिया है। बीते 6 महीने में शेयर 21.97% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 3.56 लाख करोड़ रुपए है। NTPC भारत की लीडिंग पावर-जनरेटिंग कंपनियों में से एक है।

NTPC का चौथी-तिमाही में मुनाफा रूपए 6,490 करोड़ रहा

NTPC का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार (YoY) पर 33.22% बढ़कर रूपए 6,490.05 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट रूपए 4,871.55 करोड़ रहा था।

आय में सालाना आधार पर 7.61% की तेजी आई

NTPC के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 7.61% की तेजी आई। स्नङ्ख24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू रूपए 47,622.06 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी स्नङ्ख23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू रूपए 44,253.17 करोड़ रहा था।

पॉली हाउस एवं शेडनेट में उद्यानिकी फसलें देती हैं अधिक उत्पादन

ग्वालियर। खरीफ व रबी की फसलों के साथ किसान भाई उद्यानिकी अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। उद्यानिकी फसलों का अधिक उत्पादन देने में कारगर पॉली हाउस व शेडनेट स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है। पॉली हाउस व शेडनेट के भीतर गैर मौसमी हाई वैल्यू क्रॉप (अधिक कीमत देने वाली नगदी फसलें) एवं ऑफ सीजन वाली उद्यानिकी फसलों का उत्पादन किया जाता है। पॉली हाउस व शेडनेट लगाने के इच्छुक ग्वालियर जिले के कृषक मेला रोड़ स्थित सहायक संचालक उद्यानिकी के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पॉली हाउस के भीतर उद्यानिकी फसलें लेने से गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त होता है। साथ ही कीट एवं रोग का प्रकोप अत्यधिक कम होता है। प्राकृतिक जोखिम की संभावना भी न के बराबर रहती है। इसके भीतर पौधे स्वस्थ रहते हैं। जाहिर है उत्पादन भी अधिक होता है। पॉली हाउस स्थापित करने में 844 रूपए प्रति वर्ग मीटर लागत आती है। इसमें से 422 रूपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है। ऑफ सीजन में उद्यानिकी फसल का उत्पादन प्राप्त करने के लिये शेडनेट हाउस कारगर पद्धति है। इस पद्धति से भी गुणवत्तायुक्त उत्पादन मिलता है। साथ ही कीट एवं रोग का प्रकोप और प्राकृतिक जोखिम कम रहता है। शेडनेट हाउस स्थापित करने में 710 रूपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से खर्चा आता है। इसके लिए सरकार 355 रूपए प्रति वर्ग मीटर की दर से अनुदान देती है।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन ने छात्रों के लिए बूट कैंप 2.0 का आयोजन किया

ग्वालियर। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा छात्रों को प्रोफेशनल लाइफ के लिए तैयार करने हेतु बूट कैंप 2.0 का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। इस एक दिवसीय कैंप में डेवलपमेंट ऑफ स्टेच्यू ऑफ यूनिटी एंड राम मंदिर सोशल मीडिया का उपयोग, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर ग्रुप डिस्कसन किया गया और विशेषज्ञों द्वारा छात्रों के मॉक इंटरव्यू लिए गए।

इन मॉक इंटरव्यू में छात्रों से कंपनी में उनके कौशलों के साथ योगदान के बारे में, उनके करियर के लक्ष्यों के बारे में विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए। छात्रों ने विशेषज्ञों से बहुत कुछ सीखा, जैसे कि एक प्रभावी रिज्यूमे कैसे तैयार किया जाता है, इंटरव्यू में बॉडी लैंग्वेज के महत्व के बारे में और इंटरव्यूअर से कैसे व्यवहार करना चाहिए। बूट कैंप में विषय विशेषज्ञ के रूप में टैककैरल के डायरेक्टर गौरव सिंह बघेल, डिजीमोक टैक्नोलॉजी की एचआर हेड कृति श्रीवास्तव, सीनियर मैनेजर सिऐना इंडिया के गौरव दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में युवाओं को प्रमाणपत्र वितरित किये गये। बूट कैंप का संचालन हिमांशु अग्रवालएवं आभार व्यक्त आकाश बरूआ ने किया। इस अवसर पर राघव गोयल, विनीत राजपूत, पुष्पेंद्र राठौड़, हिमांशु कुशवाह, जयेश श्रीवास्तव, मुस्कान गुप्ता, साक्षी भदौरिया, निकिता राजपूत आदि सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यावन और विद्या संवाद केंद्र विकसित कर अभिप्रेरक आदर्श संस्थान बनेगा एसवी पॉलीटेक्निक कॉलेजः मंत्री इंदर सिंह

संस्थान परिसर का निरीक्षण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए दिए दिशा निर्देश

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का निरीक्षण किया। मंत्री परमार ने महाविद्यालय परिसर में टैगोर हॉस्टल का निरीक्षण कर संस्थान परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

परमार ने संस्था परिसर में उपलब्ध भूमि पर विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं संस्थान के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण कर ÷विद्यावन÷ तैयार करने के लिए इसे व्यापक रूप में वर्षाकाल से प्रारंभ करने को कहा। परमार ने कहा कि बंजर भूमि में सघन वृक्षारोपण किया जाये। नीम, पीपल, करंज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ इत्यादि पौधों को प्राथमिकता दी जाए, पौधे पर्यावरण के अनूकूल हों और पूर्व दिशा की ओर नीम, पीपल और बरगद की त्रिवेणी लगाई जाये। उन्होंने कहा कि पक्षियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए मध्य में मौलक्के पौधे लगाए जाएं और पहले से स्थित वृक्षों को यथास्थान रख उनकी भी देखरेख की जाए।

तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने संस्थान परिसर में जल संरक्षण की दृष्टि से व्यापक प्रबंध किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भूमि के ढलान वाले भाग पर खुदाई कर रैन वॉटर हार्वेस्टिंग के द्वारा परिसर के व्यर्थ बह जाने वाले जल को संरक्षित कर भू जल के स्तर को बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। पौधों और वृक्षों को जल आपूर्ति के लिए ड्रिप इरीगेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ÷विद्यावन÷ रूपी सघन वन में छात्रों के अध्ययन के लिए ग्लास हाउस भी बनाया जाए। परमार ने कहा कि समीप स्थित खेल मैदान को पीली मिट्टी से समतल कर विकसित किया जाये और संस्थान परिसर में सुरक्षा दीवार का निर्माण कराएं। परिसर की बाउंड्रीवॉल, सुरक्षा दीवारों एवं अन्य दीवारों पर भारतीय तकनीकी एवं पुरातन ज्ञान संबंधी जानकारी लिखकर विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि दीवारों पर वेदों, उपनिषदों में उल्लेखित ज्ञान-विज्ञान, औषधि एवं इंजीनियरिंग पर आधारित घटनाओं एवं प्रतीकों का चित्रण और लेखन किया जाए। परमार ने नैसर्गिक परिवेश में विद्यार्थियों के मध्य वाद-संवाद के लिए ÷विद्या संवाद केंद्र÷ विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि परिसर में अव्यवस्थित पड़े पत्थरों को व्यवस्थित कर ÷विद्या संवाद केंद्र÷ के रूप में विकसित किया जाए। परमार ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में ÷विद्यावन÷ एवं ÷विद्या संवाद केंद्र÷ विकसित कर संस्थान को आदर्श रूप में स्थापित किया जाए, जिससे प्रदेश के सभी तकनीकी, शासकीय, अनुदान प्राप्त और निजी महाविद्यालयों में %विद्यावन% विकसित होने के लिए, यह संस्थान अभिप्रेरणा बने।

इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा मदन विभीषण नागरगोजे एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.वी. राव सहित विभिन्न अधिकारी- कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय मुरार में 110 पौधे रोपे

ग्वालियर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर डॉ. आर.के. राजौरिया के मार्गदर्शन में रविवार को जिला अस्पताल एवं जच्चाखाने में पौधारोपण कार्यक्रम सिविल सर्जन डॉ राजेश कुमार शर्मा की देखरेख में किया गया। इसके तहत लगभग 110 पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉक्टर आरके शर्मा, आरएमओ डॉक्टर आलोक पुरोहित, सहायक प्रबंधक डॉक्टर राजेश बिरथरिया, स्टीवर्ट संदीप प्रधान, डॉ स्वतंत्र शंखवार मैडम, डॉक्टर रीना सक्सेना मैडम, डॉक्टर शालिनी शर्मा मैडम, मेट्रन श्रीमती मीना शर्मा, कमलेश द्विवेदी, कोमल सिंह, मनोज राठौर आदि उपस्थित थे। ब्रह्मा ब्रह्मा कुमारी संस्था के भाई बहन सहित मलेरिया विभाग के निकेत राजपूत एवं बघेल साहब का भी पौधारोपण में योगदान रहा।

बजरंग भक्त मंडल ने की हरे चारे की गौभोग सेवा

ग्वालियर। बजरंग भक्त मंडल द्वारा जनकताल गौशाला में रविवार को 600 किलो हरे चारे की सेवा की गई। मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने बताया कि मंडल द्वारा गौसेवा एवं मानव सेवा के साथ साथ अब प्रकृति की सेवा भी की जायेगी। मंडल द्वारा इस वर्ष लगभग 1000 पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, सहसचिव नमन अवस्थी, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मंगल, कार्यकारिणी सदस्य विशाल अग्रवाल, संजीव गुप्ता, दीपक बघेल, हरिशचंद्र अग्रवाल, हरीश राठौर आदि सदस्य उपस्थित थे।

जिले को हरीतिमा की चादर ओढ़ाने आज होगा संवाद

ग्वालियर। जिले को हरीतिमा की चादर ओढ़ाने के लिए जिले में सघन पौधारोपण किया जाएगा। समाज व सरकार के साझा प्रयासों से यह काम होगा। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर आज एक जुलाई को सायंकाल 5 बजे बाल भवन में संवाद कार्यक्रम रखा गया है। इस संवाद में जनप्रतिनिधिगण, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधिगण, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधिगण सहित पर्यावरण व प्रकृति प्रेमी प्रबुद्धजन शामिल होंगे और जिले में सफल व सुरक्षित वृक्षारोपण के लिये साझा रणनीति बनाने में सहभागी होंगे। संवाद कार्यक्रम के माध्यम से पौधारोपण के संबंध में समाज के इन सभी प्रमुख अंगों से सुझाव लिए जायेंगे। साथ ही जिला स्तर पर पौधारोपण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी साझा की जाएगी। संवाद कार्यक्रम में पौधारोपण के साथ-साथ वाटर हार्वेस्टिंग, उद्यानों और रोटरी के विकास पर भी चर्चा होगी।

रामनिवास गुर्जर सेवानिवृत्त

ग्वालियर। रामनिवास सिंह गुर्जर उश्रेशि शामावि मसूदपुर डबरा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसमें डा प्रीतम सिंह कुशवाह, नंदकिशोर गोस्वामी, जगमोहन गुप्ता, अमित उपमन्यु, होतम सिंह गुर्जर, कमल किशोर पाराशर, रामचंद्र स्वामी, रामेश्वर सिंह गुर्जर, अशोक चौहान, सनत कुमार जैन सहित कई पेंशनर्स, कर्मचारी, बीआरसी बीईओ, प्राचार्य उपस्थित रहे।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा नव दोहरीकृत मऊरानीपुर टेहरका रेलखंड पर दूसरी लाइन कार्य का निरीक्षण

झांसी। रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना द्वाराअपने दो दिवसीय दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आज दुसरे दिन मऊरानीपुर टेहरका स्टेशनों के मध्य नवनिमित दूसरी लाइन का शेष संरक्षा परीक्षण पूर्ण किया निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक दीपक सिन्हा समेत मंडल व निर्माण संगठन के अधिकारी उपस्थिति रहे रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना द्वारा आज मंडल एवं निर्माण संगठन के अधिकारियों के साथ मोटर ट्राली के माध्यम से रानीपुर रोड - टेहरका स्टेशनों के मध्य नव निर्मित डाउन दूसरी लाइन का संरक्षा सम्बंधित निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उक्त रेल खंड के अंतर्गत आने वाले ट्रैक्शन, सिग्नल, गेट, ब्रिज, ट्रैक, ट्रैक-पॉइंट्स आदि सभी इंस्टालेशन तथा उनकी कार्य क्षमता का गहनता से निरीक्षण किया गया द्व

सभी संरक्षा पहलुओं से पूर्णतः संतुष्ट होने के उपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त की अनुमति से नवनिर्मित मऊरानीपुर टेहरका 21 किलोमीटर रेलखंड का 110 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार से सफल गति परीक्षण किया गया रेल संरक्षा आयुक्त की स्वीकृति उपरांत संस्तुति गति सीमा पर दोहरी लाइन पर संचालन भी प्रारंभ कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त के साथ मुख्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) विपिन कुमार, झांसी मंडल से मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा , वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (परिचालन) शिवम् श्रीवास्तव , वरिष्ठ मंडल इंजीनीयर आयूष श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अखिल शुक्ल, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनीयर (कर्षण) मयंक शांडिल्य, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी गिरीश कंचन सहित अन्य अधिकारीगण, पर्यवेक्षक व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

पन्ना पुलिस ने गांजा तस्करों से 21.50 लाख रुपए का गांजा किया जब्त

मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों सहित एक अन्य को किया गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस लगातार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही कर रही है और इनकी धरपकड़ में जुटी हुई है। इसी कड़ी में पन्ना पुलिस ने गांजा तस्करों पर कार्यवाही करते हुए उनके कब्जे से लगभग 21 लाख 50 हजार रूपए का 1 क्विंटल 7 किलो 500 ग्राम गांजा जब्त किया। इस मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों सहित 1 एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि विगत 08 माह में पन्ना पुलिस द्वारा गांजा तस्करों के विरुद्ध कुल 31 प्रकरण दर्ज कर 66 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए का 7 क्विंटल 45 कि.ग्रा. गांजा जब्त किया जा चुका है।

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत पन्ना के एसपी श्री साईं कृष्णा एस. थोटा द्वारा जिले में मादक पदार्थ की खेती, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इसी

फाइल फोटो

तारतम्य में थाना प्रभारी शाहनगर को 28 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कुपना में बहेलियों के एक घर में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बेचने के उद्देश्य से छिपा कर रखा है। इस पर पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह के मार्गदर्शन में अनुभाग स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया । पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचने पर आरोपी निरंजेश पिता क्रमताल बहेलिया उम्र 20 साल निवासी कुपनाघाट थाना शाहनगर जिला पन्ना, किरकन बहेलिया पिता राजकुमार बहेलिया उम्र 24 साल निवासी कुपनाघाट थाना शाहनगर जिला पन्ना और एक विधि विरुद्ध बालिका हाल निवासी कुपनाघाट थाना शाहनगर जिला पन्ना तीनों भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें हमराह स्टाफ एवं गवाहों की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों के घर की तलाशी लेने पर वहां से 3 प्लास्टिक की बोरियों में करीब 21 लाख 50 हजार रुपए का 107 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस मामले में आरोपी रखरू पिता नुक्ति उम्र 25 साल निवासी कुपनाघाट थाना शाहनगर, नजर बाई पति सहिसा उम्र 23 साल निवासी कुपनाघाट थाना शाहनगर फरार हैं, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। थाना शाहनगर में अपराध कायम कर मामला विवेचना में लिया गया।

इनका रहा सराहनीय योगदान

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पवई श्री सौरभ रत्नाकर, थाना प्रभारी शाहनगर निरी. रजनी शुक्ला, सायबर सेल प्रभारी उनि0 अनिल सिंह, थाना प्रभारी पवई सुयश पाण्डेय,थाना प्रभारी रैपुरा उनि0 मनोज यादव, थाना शाहनगर से उनि0 संतोष मशराम, सउनि0 अवधराज उईके. प्र0आर0 ईदुल बक्श, आर0 दिनेश,रविन्द्र, सायबर सेल टीम एवं अनुभाग पवई की टीम का सराहनीय योगदान रहा, जिसे 30 हजार रूपए के इनाम से पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई।

भोपाल के मानस भवन आयोजित हुआ चुनाव कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश के अभियोजन संघ के चुनाव में भोपाल के डीपीओ राजेन्द्र उपाध्याय अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए,उन्होंने अभय सिंह राठौर को 152 मतों से पराजित किया,उपाध्याय के पैनल के सभी सदस्य विजयी हुए जिसमे जबलपुर डीपीओ अजय जैन उपाध्यक्ष, एडीपीओ दिनेश आर्य महासचिव, एडीपीओ चौहान सिंह सचिव,एडीपीओ अरविंद दांगी सह-सचिव ,एवम एडीपीओ हुकुमचंद निरंजन कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विजयी हुए,कोषाध्यक्ष के पद पे

कुलदीप भदौरिया निर्विरोध चयनित हुए,,उस अवसर पर राजेंद्र उपाध्याय ने कहा कि अभियोजन हित के लिए मैं और मेरे पैनल के सभी सदस्य हर संभव प्रयास करेंगे, त्रिपाठी ने बताया कि विदित है मध्यप्रदेश में अभियोजन अधिकारियों के संघ का चुनाव कार्यक्रम आज दिनाँक 30/06/2024 को भोपाल के मानस भवन में सुबह के 10:30 बजे से आयोजित किया गया,, जिसमे मध्यप्रदेश के सभी जिलों से लगभग 600 अभियोजन अधिकारी भोपाल में उपस्थित होकर मतदान में भाग लिए ,चुनाव कार्यक्रम पूर्व अध्यक्ष अभियोजन संघ जगपाल सिंह तोमर एवम चुनाव समिति के अन्य सदस्यो की देखरेख में संपन्न हुआ।

नर्सिंग घोटाले के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

ग्वालियर। मप्र में नर्सिंग एवं पेपर लीक घोटालों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफआज 1 जुलाई सोमवार को कांग्रेस द्वारा कलेक्टर कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदर्शन का रणनीति बनाने कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर कांग्रेस मोर्चा संगठन के अध्यक्षगणों की एक बैठक रविवार को हुई।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने नर्सिंग घोटाला एवं अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक घोटाले करके प्रदेश के प्रतिभावान छात्रों और युवाओं का भविष्य खतरे में डाल दिया है और मप्र को पूरे देश में कलंकित किया है। उन्होंने बताया कि इसे विरोध में कांग्रेसजन आज जुलाई को प्रातः 10.30 बजे अलकापुरी चौराहा पर एकत्रित होकर कलेक्टर कार्यालय के लिए कूच करेंगे। वहां पर धरना प्रदर्शन कर सक्षम अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती मीनू परिहार, पवन शर्मा, युवा कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सौरभ जैन, आईटी सेल अध्यक्ष आदित्य सिंह सेंगर, आकाश, हरेन्द्र सिंह गुर्जर, सत्येन्द्र नागर आदि उपस्थित थे।

वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाएं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाएं और इसमें सभी की सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग व गर्मी से निजात दिलाने में पेड़ों से प्राण वायु मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रौसर- कुठुलिया नवीन मार्ग के किनारे पौधारोपण एवं प्लांट एडॉप्शन कैंपेन कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया।

उप मुख्यमंत्री ने नवीन सड़क के शेष निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। संसद श्री जनार्दन मिश्र, अध्यक्ष नगर निगम श्री वेंकटेश पांडे, सीईओ जिला पंचायत एवं प्रभारी आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवड़े सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की पहल पर शुरू हो रही है सिविल सेवा की निःशुल्क कोचिंग क्लासेस, अब तक 120 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

ग्वालियर । सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के इच्छुक आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये शुरू होने जा रही निःशुल्क कोचिंग क्लासेस में प्रवेश के लिए अब तक 120 विद्यार्थी अपना पंजीयन करा चुके हैं। पंजीयन के लिये 2 जुलाई अंतिम तिथि है। इस दिन प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक पंजीयन कराया जा सकता है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर साइंस कॉलेज में फ्रि से यह निरुशुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है। आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा कोचिंग क्लासेस के सहयोग से साइंस कॉलेज में जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये निरूशुल्क कोचिंग संचालित की जायेगी। जिन जरूरतमंद छात्र-छात्राओं ने अभी तक अपना पंजीयन नहीं कराया पाया है वे 2 जुलाई तक अपना पंजीयन करा सकते हैं।

डॉक्टर्स डे पर रक्तदान शिविर आज

ग्वालियर। डॉक्टर्स डे एवं सीए दिवस पर रोटरी क्लब डबरा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन आज एक जुलाई को आरके प्लाजा में सुबह 8.30 बजे से किया गया है। कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि सर्वप्रथम सुबह अग्रसेन चौराहे से राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंट दिवस पर रैली निकाली जाएगी। इसके बाद आरके प्लाजा पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इसके लिए डॉक्टरों की एक टीम भी मौजूद रहेगी।

बाइक की टक्कर से छात्रा घायल

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहे बाइक सवार ने स्कूटी सवार छात्रा को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही छात्रा स्कूटी सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गई। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के साकेत नगर की है। घटना के बाद आरोपी चालक वहां से फरार हो गया। वहां से निकल रहे लोगों ने छात्रा को संभाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्रा को उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पड़ाव थाना क्षेत्र के न्यू साकेत नगर निवासी 28 वर्षीय काजोल पुत्र एमएल अनुरागी छात्रा है और बीते रोज वह अपनी स्कूटी से पड़ाव जा रही थी। अभी वह मुख्य सड़क पर पहुंचकर सड़क क्रॉस कर रही थी कि तभी तेज रफ्तार आ रहे बाइक सवार ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह हवा में उछली और सड़क पर गिरकर घायल हो गई। इस बीच आरोपी चालक वहां से भाग निकला। छात्रा ने बाइक के आखिरी चार अंक 7793 में नोट कर लिए। पुलिस अब आरोपी चालक की तलाश में लग गई है।

दिन-दहाड़े मामा-भांजे का अपहरण करने वाले गुजरात निवासी 07 आरोपी पुलिस ने दबोचे

ऑनलाइन गेम बीजीएमआई की आईडी पर यूसी के खरीद-बेच के कारण आरोपीगणों ने किया था 02 युवकों का अपहरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिनांक 29.06.2024 को फरियादिया गीता शाक्य एवं उनके हमराह 7-8 लोगों ने थाने पर आकर सूचना दी कि फरियादिया के लड़के राहुल पुत्र राजकुमार शाक्य एवं उसके मामा अरमान पुत्र प्रकाश शाक्य को 5-6 अज्ञात बदमाश अम्बेडकर नगर वार्ड क्रमांक 02 हमारे घर से जबरदस्ती गाड़ी में डालकर कहीं ले गये हैं। गाड़ी सफेद रंग की है और उसका नम्बर GJ02 1426 है। फरियादिया की उक्त सूचना के आधार पर थाना कैलारस पुलिस द्वारा सायबर सेल के माध्यम से अपहृत के मोबाइल की लोकेशन प्राप्त की गई, जो जौरा तरफ आना बताया। जिस पर थाना प्रभारी कैलारस द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को उक्त घटनाक्रम से अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा उक्त घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए प्रकरण पर तत्काल संज्ञान लेते हुए अपहृत व्यक्तियों की दस्तयाबी एवं आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु तत्काल जौरा, बागचीनी, देवगढ़, सुमावली, मुरैना, नूराबाद, सरायछौला थाना के पुलिस बल को उक्त गाड़ी के संबंध में अवगत कराते हुए चैकिंग प्वॉइंट लगवाए गए, साथ ही थाना प्रभारी कैलारस को भी उक्त गाड़ी का पीछा कर आरोपीगण को पकड़ने संबंधी निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के तारतम्य में डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन में थाना प्रभारी कैलारस मय हमराह फोर्स के रवाना हुए। नितिन बघेल एसडीओपी जौरा,

टीआई जौरा निरी. उदयभान सिंह यादव मुरैना तरफ से जौरा लौट रहे थे, तो उन्होंने बागचीनी चौराहा पर स्वयं खड़े होकर चैकिंग लगा दी। थाना प्रभारी बागचीनी भी चैकिंग प्वॉइंट पर पहुंच गई थी एवं थाना कैलारस का पुलिस बल भी मौके पर उपस्थित हो गया था। अपहरणकर्ताओं ने पुलिस की चैकिंग को देखकर बागचीनी चौराह के मोहल्ले की गली तरफ गाड़ी भगा दी, जिन्हें पुलिस द्वारा हमराह फोर्स की मदद से घेराबंदी कर कड़ी मेहनत मुशक्कत से पकड़ा एवं गाड़ी को चैक किया तो उक्त मारुती NEXA की गाड़ी XL 6 रजिस्ट्रेशन क्रमांक GJ06PH1426 में ड्राइवर सहित कुल 09 लोग मिले, जिनमें से दो लोग बोले कि यह लोग हमें जबरदस्ती बिठाकर कहीं ले जा रहे है। उन दोनों से नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम राहुल शाक्य पुत्र राजकुमार शाक्य उम्र 22 साल निवासी ऋषि गालव गली कैलारस, दूसरे ने अपना नाम अरमान पुत्र प्रकाश शाक्य उम्र 24 साल निवासी लुघाया थाना कैलारस का होना बताया एवं अपहृत द्वारा यह भी बताया गया कि आरोपीगण द्वारा उनसे 02 लाख रूपये की फिरौती की मांग की गई थी। बाद पुलिस द्वारा कार में सवार अन्य 07 व्यक्तियों से नाम पता पूछा एवं हिकमत अमली से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी गुजरात के निवासी हैं एवं ऑनलाइन गेम खिलाने वाली आईडी के लिए कैलारस से उक्त दोनों युवकों का अपहरण करके ले जा रहे थे। कार में एक होमगार्ड का जवान भी था, जो वर्दी पहनकर आया था ताकि जब वह युवकों को पकड़कर गाड़ी में डाले तो लोग समझे कि वह पुलिस वाले हैं। बाद थाना कैलारस पुलिस द्वारा उक्त दोनों अपहृत व्यक्तियों को दस्तयाब कर गाड़ी को जप्त किया गया एवं गुजरात निवासी 07 आरोपीगणों को मौके पर से गिरफ्तार कर आरोपीगणों के विरूद्ध धारा 365, 34 भादवि एवं धारा 11,13 एमपीडीपीके एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं अपहृत व्यक्तियों को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया।

दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर मांगे पाँच लाख

पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपी दबोचे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जीवाजीगंज के प्रतिष्ठित व्यवसाई को दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर एक महिला और उसके दो साथियों ने 5 लाख रूपये की मांग किए जाने का मामला सामने आया है। व्यापारी की रिपोर्ट पर माताबसैया पुलिस ने महिला सहित उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक शहर के व्यापारी अमित सिंहल पुत्र हरीशंकर सिंहल निवासी जीवाजीगंज मुरैना ने माताबसैया पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पहले उसके मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से कॉल आई। बात करने वाली महिला ने अपना नाम पिंकी कुशवाह (26) निवासी जगतपुर बताया। जिसके बाद अमित और पिंकी के बीच बातचीत होने लगी। 29 जून शनिवार को पिंकी कुशवाह ने कॉल कर के अमित सिंहल को मिलने के लिए बिचौली नहर के पास बुलाया। पुलिस के अनुसार पिंकी और उसके दो साथियों सतेन्द्र कुशवाह और मुरारी कुशवाह निवासी जनवेद का पुरा थाना सिविल लाईन ने अमित सिंहल से पांच लाख रूपये की मांग करते हुए दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। अमित सिंहल की रिपोर्ट पर माताबसैया पुलिस ने पिंकी सहित उसके साथियों के विरुद्ध धारा- 342, 384, 120बी, 34 के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपियों ने 30 जून को अमित को पांच लाख देने के लिए नंदेपुरा रोड पर बुलाया। जहां से पुलिस ने उन तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी एसआई जयपाल सिंह गुर्जर, एएसआई योगेन्द्र सिंह भदौरिया, प्र.आर. शिवसिंह, आरक्षक भोलाराम, हरीसिंह, करन सिंह, महिला आरक्षक राधा तोमर, आरक्षक चालक अंकेश सिंह शामिल थे।

सर्पदंश से युवक की मौत

मुरैना। रात के वक्त छत पर सो रहे युवक को सांप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुमावली के गणेशपुरा गांव में रहने वाला विनय 17 पुत्र संजय जाटव शनिवार-रविवार की रात अपने घर की छत पर सो रहा था। सोते समय उसे सांप ने डंस लिया। सुबह परिजन जब उसे छत पर जगाने के लिए पहुंचे तो वह बेहोशी की हालत में मिला। परिजन उसे लेकर तत्काल मुरैना अस्पताल पहुंचेए जहां डॉक्टर ने उसे ग्वालियर रैफर कर दिया। लेकिन ग्वालियर में डॉक्टर्स ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

जिला कांग्रेस आज करेगी धरना प्रदर्शन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर मुरैना के नेतृत्व में प्रदेश में हुए नर्सिंग घोटाले एवं पेपर लीक घोटालों को लेकर युवाओं को न्याय मिल सके इस हेतु आज 01 जुलाई, सोमवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे सदर बाजार स्थित शहर जिला कांग्रेस कार्यालय पर एकत्रित होकर पैदल कूच करते हुए पुरानी कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन दिया जाएगा। उक्त धरना-प्रदर्शन में समस्त विधायकगण, लोकसभा प्रत्याशी, पूर्व विधायकगण, सभापति, समन्वय समिति सदस्यगण, प्रदेश पदाधिकारीगण, संगठन मंत्रीगण, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्षगण, सभी ब्लॉक अध्यक्षगण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्षगण, वर्तमान एवं पूर्व जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एन.एस.यू.आई., सेवादल के अध्यक्षगण, कार्यकारी अध्यक्षगण, समस्त प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्षगण, किसान कांग्रेस, आई.टी सेल के अध्यक्षगण, पार्षदगण एवं पूर्व पार्षदगण, मंडल एवं सेक्टर के अध्यक्षगण, बीएलए सरपंच, कनिष्ठ, वरिष्ठ कांग्रेसजन एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्तागण मौजूद रहेंगे।

जिला जेल में हुआ अल्पविराम सत्र का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। म.प्र.राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में जिला प्रशासन एवं आनंद विभाग मुरैना के तत्वावधान में मयूरवन आनंद क्लब मुरैना के आनंदकों ने जिला जेल में बंदियों के साथ 'अल्पविराम' सत्र का आयोजन किया। 'स्वयं से स्वयं की मुलाकात' अवधारणा को लेकर आयोजित किए गए इस सत्र का शुभारम्भ ईश प्रार्थना से हुआ। राज्य आनंद संस्थान एवं अल्पविराम सत्र का परिचय सुजाता तोमर ने रखा। आनंद की ओर विषय का प्रवर्तन करते हुए मणीन्द्र कौशिक ने स्वयं को आनंदित रखने में आने वाली

बाधाओं एवं उनकी निवृत्ति के उपायों पर प्रकाश डाला। नीतू भारद्वाज ने जीवन में हमें औरों से मिले हुए दुःख एवं हमारे द्वारा औरों को दिए गए दुःख के बोझ से मुक्ति हेतु क्षमाशीलता के महत्व से अवगत कराया। डॉ. क्षमा कौशिक ने जीवन रुपी पात्र के माध्यम से ईर्ष्या, कठोरता, गलती, नकारात्मक धारणाएं आदि को पहचान कर स्वयं को सही दिशा देने का आह्वान किया। सरिता उपाध्याय ने आत्म-पोषण के प्रश्नोत्तर द्वारा सत्र को पूर्णता प्रदान की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक एस.के. शर्मा ने अल्पविराम कार्यक्रम की सराहना करते हुए पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

पीजी कॉलेज मुरैना में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन आज से

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार शासकीय पीजी कॉलेज मुरैना में 01 जुलाई से 03 जुलाई 2024 तक दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारम्भ 01 जुलाई 2024 को प्रातः 10 बजे होगा।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एएस गहलौत ने बताया कि इस कार्यक्रम में नव प्रवेशित विद्यार्थी सहभागिता करेंगें। इसमें छात्रों का अभिमुखीकरण, शैक्षणिक अभिबिन्यास और सांस्कृति, सामाजिक गतिविधियों से परिचय कराया जाएगा। दीक्षारंभ कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में नीरज शर्मा जनभागीदारी अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. आरपी सिंह ने बताया कार्यक्रम में विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर का भ्रमण करेंगें एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय एवं डिजिटल सुविधाओं का अवलोकन करेंगे। इसके अलावा विद्यार्थी कॉलेज में चह रही विभिन्न गतिविधियाँ एवं सुविधाऐं जैसे छात्रवृत्ति, छात्रावास, परिवहन अनुसंधान, खेल-कूद, एनसीसी, एनएसएस एवं प्लेसमेन्ट सैल की भी जानकारी प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किशोर अरोड़ा नव प्रवेशित समस्त विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिये प्रेरित कर रहे हैं।

आत्मस्वरूप में दीनों की प्रभु स्वरूप में सेवा अद्भुत: जनकदास जी

नशामुक्ति परमार्थ न्यास की पहचान- चित्रकूट में भी नशामुक्ति अभियान शुरू

- बड़ी संख्या में वितरित हुए वस्त्र, साड़ी सूट एवं चश्मे
- परमार्थ शिविर में 264 मरीज और 25 सेवक हुए उपस्थित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई। इसके साथ ही 264 मरीजों ने अपना परीक्षण कराके उपचार कराया। विषय बार मरीजों की संख्या इस प्रकार रही- दन्त रोग 87 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 74, नाक, कान, गला 45, सर्जरी 43, अस्थि रोग 46, नैत्र रोग 23, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट 0, ब्लड प्रेसर की जाँच 43, ई.सी.जी 01, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 36, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 26, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 35, एम्स में पंजीयन 0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष में- दांत शल्य क्रिया 59, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायरिया का इलाज 25, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमें आँखों की जाँच 19 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. मुकुल सिंघल, डॉ. दीपक बंसल, डॉ. उमंग गुप्ता, प्रदीप शर्मा, जूली प्रजापति, ममता, कस्तूरी, सलोनी श्रीवास, सरिता कुशवाह, राजश्री, कलावती, बबीता, मनीराम, अनुपम जी, रमेश बाऊजी, होतम, सुरेश महेश्वरी, श्याम शर्मा, दीपू तोमर, मयूर अग्रवाल, हाकिम सिंह, अभिषेक, सचिन आदि ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं।

प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवायें परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान कीं। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना इलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया।

आज परमार्थ न्यास में जनकदास जी पधारे। आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर ह्रदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि सेवा मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, जो उसे अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाता है। सेवा मानवता की अद्भुत जीवन रेखा है। सेवा धर्म परम गहन होने से योगियों के लिए अगम है। विवेक, बुद्धि, काल और समय का विचार करके सेवाधर्म का निर्वहन होता है। सेवा के समान कोई तप और यज्ञ नहीं है। हनुमानजी सेवा और आत्मसमर्पण के प्रतीक हैं। तुलसीदास कहते हैं, 'आगम निगम प्रसिद्ध पुराना। सेवाधरमु कठिन जगु जाना।' भारतीय चिंतन में सेवा जीवनशैली का एक विशिष्ट अंग है। सामाजिक सेवा कीर्ति बढ़ाती है। सेवा परमात्मतत्व, वरदान, यज्ञ, तप और त्याग है। सेवा से परमतत्व सिद्ध होता है। सेवा का वास तप के मूल में है। सेवाधर्म में स्वार्थ का अभाव होता है। सेवा का भाव परिवार और मां की गोद से उपजता है। यह सबसे बड़ा संस्कार होता है। सेवा करने की तत्परता महानता का लक्षण है। दूसरों के लिए निःस्वार्थ भाव से किया गया कार्य सेवा है। सेवाव्रत सदाचरण का प्रतीक है। माता-पिता, आचार्य व अतिथि की सेवा करना देवपूजा है। माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई तप नहीं है। सेवा का संस्कार महान बनाता है। सेवाव्रती तेजस्वी, कर्मनिष्ठ, उन्नत और विलक्षण होते हैं।

निष्काम सेवा जीवन को निखारती है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि त्याग और सेवा भारत के दो महान आदर्श हैं। इन आदर्शो को पूरा करने की दिशा में तीव्र गति से कार्य कीजिए। वही जीवित हैं, जो दूसरों की सेवा के लिए जीते हैं। सेवा धर्म की पावन मंदाकिनी सबका मंगल करती है। सेवा मानवीय गुण है और निष्काम सेवा का फल आनंद है। यही कारण है कि दुनिया के सभी धर्मो ने सेवा को अत्यंत महत्व दिया है। ईसा मसीह ने कहा है कि जो निर्बलों और असहाय लोगों की सेवा करता है उस पर परमेश्वर अपनी कृपा करता है। सेवा के भी कई प्रकार हैं। जैसे शारीरिक रूप से किसी की सेवा करना, किसी व्यक्ति को सही विचार देकर उसे सही कर्तव्यों का ज्ञान कराना और निस्वार्थ भाव से अभावग्रस्त व्यक्ति की धन से सेवा करना आदि। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैंने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं ह्रदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

जरूरमंदों के लिए एक पहल

हमारा परमार्थ न्यास किचन रेस्टोरेंट के बगल में शर्मा डेंटल क्लिनिक के ऊपर हर रविवार गरीबों व जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार, दवाईयां और कपड़े उपलब्ध कराता है। अगर किसी के घर में जो दवाईयां और कपड़े उपयोग में ना हो वो लोग गरीबों व जरूरतमंदों के उपयोग हेतु हमें प्रदान कर सकते हैं या स्वयं शर्मा डेंटल क्लिनिक या परमार्थ न्यास पर आकर स्वयं दान दे सकते हैं। आपकी एक पहल जरूरतमंदों के बहुत काम आएगी।

सभी शहर वासियों से निवेदन है कि शव को सुरक्षित रखने हेतु डीप फ्रीजर का उपयोग आवश्यकता होने पर किसी भी समय परमार्थ न्यास से संपर्क किया जा सकता है एवं अत्याधुनिक एंबुलेंस जिसमे कार्डियक् मॉनिटर लगा हुआ है की आवश्यकता होने पर किसी भी समय परमार्थ न्यास से संपर्क किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर इन नंबरों 9827090180, 8602434147, 9300701002 पर संपर्क कर सकते हैं।

पत्नी का इलाज कराने आये पति ने चिकित्सक पर तानी बंदूक

-अंबाह के सिविल हॉस्पीटल में डॉ. प्रदीप कपासिया के साथ हुई घटना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। सिविल हॉस्पिटल अंबाह की इमरजेंसी ड्यूटी में उस वक्त हंगामा मच गया, जब वहां मौजूद डॉ. प्रदीप कपासिया के साथ महिला मरीज के पति ने न सिर्फ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी बल्कि उनके ऊपर बंदूक तान दी। अंबाह पुलिस ने डॉक्टर्स की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध सरकारी काम में बाधा की एफआईआर दर्ज कर ली है।

जानकारी के अनुसार सिविल हॉस्पिटल अंबाह में सुबह 7.30 बजे दीपक सेलावत की ड्यूटी थी। इसी दौरान संतोष तोमर निवासी देवहंस का पुरा अपनी पत्नी खुशबू को पेटदर्द की शिकायत होने पर उसे साथ लेकर अस्पताल पहुंचा। डॉ. दीपक सेलावत ने खुशबू का चेकअप कर उसे इंजेक्शन व ड्रिप लगाकर अस्पताल में भर्ती कर दिया। सुबह 8 बजे ड्यूटी खत्म होने के बाद डॉ. दीपक सेलावत घर चले गए और उनकी जगह डॉ. प्रदीप कपासिया इमरजेंसी ड्यूटी पर पहुंच गए। इसी दौरान महिला मरीज खुशबू का पति संतोष तोमर इमरजेंसी रूम में आकर डॉक्टर कपासिया से गाली-गलौज करने लगा और बोला कि मेरी पत्नी का ढंग से इलाज नहीं कर रहे हो, मैं तुम्हे छोड़ूंगा नहीं। गालियां देने के बाद आरोपी अपने घर गया और बंदूक लाकर डॉक्टर्स के ऊपर तान दी, जिससे हंगामा मच गया। इसके बाद आरोपी अपनी पत्नी को जबरदस्ती रैफर कराकर मुरैना ले गया। अंबाह पुलिस ने डॉ. कपासिया की रिपोर्ट पर आरोपी संतोष तोमर के विरुद्ध सरकारी काम में बाधा सहित मारपीट, गाली-गलौज की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विद्युत कनेक्शनों की जांच करने स्वयं पहुंचे मुरैना

मीटर खराब कर और कटिया लगाकर अटल ज्योति योजना में हजारों लोग ले रहे सब्सिडी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने गत दिवस मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भिण्ड, मुरैना व श्योपुर सर्किल में विद्युत कनेक्शनों की जांच स्वयं करने के लिए मुरैना पहुंचे। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को विद्युत कनेक्शनों की जांच करने पर जानकारी मिली कि मुरैना में सबसे महंगी जमीन वाली बसाहट में अधिकांश विद्युत उपभोक्ता प्रदेश शासन की अटल ज्योति का लाभ ले रहे हैं। मुरैना शहर में शासकीय रजिस्ट्री वाले 2500 से 84000 रूपए स्कवेयर सेमी के प्लाट में मकान बनाने वाले अधिकांश विद्युत उपभोक्ता अटल ज्योति योजना का लाभ लेते सब्सिडी प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्युत उपभोक्ताओं ने मीटर खराब कर के या सीधे कटिया लगा कर बिजली का अवैध उपभोग कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव जो कि चम्बल संभाग के प्रभारी भी हैं, ने आज संभाग के कमिश्नर, सभी कलेक्टर, सभी पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों व मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अभियंताओं के समक्ष बैठक में एक प्रजेन्टेशन देते हुए जानकारी दी कि भिण्ड, मुरैना व श्योपुर में बिजली हानि 80 से 90 प्रतिशत तक है और प्रशासन के सहयोग से इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

आधार व समग्र में डुप्लीकेसी-अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने अपने प्रजेन्टेशन में संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी कि भिण्ड, मुरैना व श्योपुर के अधिकांश विद्युत उपभोकताओं के केवॉयसी (नो योर कस्टमर) में आधार व समग्र की डुप्लीकेसी पायी गई।

अपर मुख्य सचिव पहुंचे समृद्ध कॉलोनियों में-अपर मुख्य सचिव ऊर्जा बैठक के पश्चात मुरैना की कुछ समृद्ध कॉलोनियों व बसाहट में गए और विद्युत नेटवर्क का निरीक्षण किया। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता व अन्य विद्युत अभियंताओं ने मुरैना की गायत्री विहार कॉलोनी में 50 से 60 लाख रूपए बकाया वाले 35 से 40 विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे। 17 विद्युत उपभोक्ताओं से मौके पर साढ़े सात लाख रूपए की बकाया राशि वसूली गई और लगभग 12 कनेक्शनों में खराब मीटर बदल कर नए लगाए गए।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक-क्यू/3/मा.रा./खनिज/2024/536 मुरैना, दिनांक- 24/06/2024

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अन्तर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रेखा राजपूत पत्नी श्री मुकेश सिंह निवासी हनुमान मंदिर के सामने पुल तिराहा, अम्बाह रोड़ मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र दिनांक -02/03/2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक-28/07/2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आंमत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	मुरैना	जींगनी	2819, 2838/1, 2838/2	1.800 हे.	निजी भूमि	मिट्टी उत्खनन कर चिमनी भट्टा से ईंट निर्माण (मिट्टी उत्खनिपट्टा)	

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आंमत्रित किये जाते है।
2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

G12662/24

प्रभारी खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म.प्र.)

जैन समाज ग्वालियर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर के संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन रहे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अखिल जैन समाज ग्वालियर की प्रतिष्ठित संस्था श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा संचालित जैन सेन्ट्रल हाई स्कूल द्वारा ग्रेटर ग्वालियर जैन समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मान समारोह संजीव जैन संयुक्त कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में एवं सिद्ध क्षेत्र सोनागिर कमेटी के मंत्री बाल चंद जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र जैन एडवोकेट,सकल जैन महापंचायत के अध्यक्ष पारस जैन, भारतीय जनता पार्टी जिला ग्वालियर के महामंत्री विनय जैन, लायन्स क्लब वीरांगना की अध्यक्ष श्रीमती दीपिका जैन,श्वैताम्बर जैन समाज के खेम चंद्र पारिख एवं श्रीमती नीलम जैन मंचासीन रहे। जैन समाज ग्वालियर के प्रवक्ता ललित जैन भारती ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि लगभग आधा सैकड़ा ऐसे छात्र-छात्राओं जिन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में 90 प्रतिशत और इससे अधिक अंक अर्जित किए उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, स्कूल बैग, फाइल फोल्डर के साथ एडजेल पेन आदि सामग्री भेंट की गई।

अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष राजेंद्र जैन एडवोकेट, मंत्री डॉ. मुकेश जैन, उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष जिनेन्द्र कुमार जैन, संयोजक रमेश चंद्र जैन, कन्वीनर श्रीमती सुनीता जैन, प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह के साथ जैन समाज ग्वालियर की विभिन्न मंदिर कमेटियों के पदाधिकारीगण, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पुष्प हाथों से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजीव जैन संयुक्त कलेक्टर ग्वालियर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा प्रथम बार आयोजित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान से बच्चों का मनोबल बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज के बच्चों में उत्साह का संचार होता है। जब बच्चे बड़े हो कर किसी भी नौकरी अथवा व्यवसाय में संलग्न होते हैं तब यह पढ़ाई-लिखाई में की प्रतियोगिता उनके लिए बहुत काम आती है। बच्चों को हमेशा दूसरों से आगे बढ़ने की कोशिश करना चाहिए। ये बच्चे बड़े हो कर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करेंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रश्मि जैन और डॉ. मुकेश जैन ने किया स्वागत उद्बोधन संस्था अध्यक्ष राजेंद्र जैन एडवोकेट ने किया एवं आभार प्रदर्शन रमेश चंद्र जैन ने किया।

इस अवसर पर मुमुक्षु मण्डल ग्वालियर के अध्यक्ष विजय कुमार जैन, स्वर्ण मंदिर कमेटी के अध्यक्ष निर्मल पाटनी, मंत्री अंकित पाटनी, दानाओली मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुमंत चंद जैन, मंत्री शैलेन्द्र जैन, जयेन्द्रगंज मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष महेश चंद्र जैन, मंत्री सुधीर जैन लालू नया मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राकेश मोदी आदि उपस्थित रहे।

नगर का पहला सर्व सुविधायुक्त रोटरी चम्बल प्रतिक्षालय एवं शीतल जल प्याऊ हेतु वाटर कूलर का शुभारम्भ किया पुलिस अधीक्षक ने

रोटरी क्लब चंबल ने दोनों स्थाई प्रकल्पों को किया मानवसेवा में समर्पित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी क्लब चम्बल द्वारा रोटरी चम्बल यात्री प्रतिक्षालय जो शहर के हृदय स्थल पर स्थित पुल तिराहे के पास यातायात चौकी पर निर्माण कराया गया, जिसमें आमजन एवं पुलिस ड्यूटी में तैनात बल को बैठने हेतु कुर्सियां, छायादार शेड, पीने के लिए ठंडा पानी, नवीन फर्श, पंखे एवं लाइट लगवाई गई है, जिसका उद्धघाटन पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिंह चौहान, रोटरी के डीजी पवन खंडेलवाल, रोटरी के डीजीई राहुल श्रीवास्तव, एजी आनंद गुप्ता, एजी डॉ. धीरेन्द्र सिंह चौहान के कर कमलों से उद्धघाटन कर आमजन की सेवा एवं सुविधा हेतु समर्पित किया गया।

पुलिस अधीक्षक मुरैना ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहर में जैसे लोग होते हैं उन्हें पुलिस भी वैसी ही मिलती है, रोटरी क्लब चम्बल के सदस्यों ने पुलिस की ड्यूटी में उन्हें सुविधा और कुछ आराम देने हेतु ये प्रतिक्षालय बनाया है, जिससे आमजन के साथ साथ पुलिस ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को भी धूप बारिश से बचने हेतु लाभ होगा। रोटरी ने सदैव मानवसेवा एवं समाजसेवा में सराहनीय कार्य किये हैं और ये अनवरत जारी रहने चाहिए। इसी क्रम में शासकीय मिडिल स्कूल क्रमांक 6 पर बच्चों के पीने के ठंडे पानी की समुचित व्यवस्था हेतु एक वाटर कूलर लगवाया गया। इस वाटर कूलर का उद्धघाटन रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के डीजी पवन खंडेलवाल एवं डीजीई राहुल श्रीवास्तव ने किया। इस वाटर कूलर का एक नल स्कूल के बाहर आमजन हेतु भी रखा गया है, जिससे स्कूल के बच्चो के साथ साथ आमजन भी इस गर्मी में ठंडे पानी से अपनी प्यास बुझा सकें। इस अवसर पर समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा और बच्चों को मिठाई बांटी गई। उद्धघाटन कार्यक्रम के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर, डीएसपी श्रीमती बिंदु परमार, सीएसपी राकेश गुप्ता, ट्रैफिक टीआई संतोष भदौरिया, रोटरी ग्वालियर से आये पवन जैन, रामनिवास अग्रवाल, कौशल साहू, पवित्र तिवारी, धौलपुर से आये रोहिल सरीन, विमल भार्गव, रोटरी क्लब मुरैना से अतुल माहेश्वरी, दीपक मोदी, प्रकाश अग्रवाल, चेतन कुलश्रेष्ठ, रोटरी क्लब चम्बल से जीएसआर सीताराम गर्ग, अध्यक्ष आकाश चांदिल, सचिव अभय परमार, कोषाध्यक्ष निखिल बंसल, लकी बंसल एवं क्लब के सभी सदस्य साथ ही साथ शहर के सभी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

जे वाई जिमनेजियम में हुआ वन हैंड डेडलिफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। शुक्रवार को वन हैंड डेडलिफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन जेवाई जिमनेजियम में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न भार कैटेगरी में किया गया। जिसमें लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता मे महिला वर्ग में 52.5 भार उठाकर अनमोल कौर प्रथम, प्रिंसी राजपूत द्वितीय, रिंकी राठौर तृतीय स्थान पर रही। पुरुष भार वर्ग 50 से 60 किलोग्राम में 130 केजी भार उठाकर अभिषेक यादव ग्राम निरावली प्रथम, सेशू यादव द्वितीय व तृतीय स्थान पर युवराज राजपूत रहे। पुरुष भार वर्ग 60 से 75 किलोग्राम में 160 किलो भार उठाकर आर्यन आनंद प्रथम स्थान पर रहे राघवेंद्र राजावत द्वितीय स्थान पर साहिल तोमर तृतीय स्थान पर रहे। पुरुष भार वर्ग 75 से 90 में 175 किलोग्राम उठाकर दिवाकर जादौन प्रथम स्थान पर रहे। दीपक गुर्जर द्वितीय स्थान पर, प्रदीप प्रजापति तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर आर्म रैसलिंग के अध्यक्ष डॉ. केशव पांडेय रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. केशव पाण्डेय ने खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी और भविष्य मे बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम संचालन जोगिंदर यादव ने किया। नई-नई प्रतिभाओं को निकालने के लिए समय-समय पर ऐसे आयोजन करने का आश्वासन दिया।

सहकारिता से जुड़े प्रतिनिधि सक्रियता से कार्य कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनायें: भगवान सिंह यादव

मप्र कांग्रेस द्वारा गठित सहकारिता समिति की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। मध्यप्रदेश में वर्तमान में प्राथमिक सहकारी समितियों के निर्वाचन हो रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा गठित की गई मप्र में सहकारिता चुनाव के लिए कांग्रेस की राज्य स्तरीय सहकारिता निर्वाचन समिति की बैठक गत दिवस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में समिति के सदस्य मप्र कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं पूर्व केबीनेट मंत्री भगवान सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, मप्र कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह और मप्र कांग्रेस समस्त विभाग/प्रकोष्ठों एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जे.पी. धनोपिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

समिति के अध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने कहा कि मप्र में आसन्न प्राथमिक सहकारी समिति में अधिक से अधिक कांग्रेस पक्ष के प्रतिनिधियों को अवसर मिले इस पर पूरी तत्परता और सक्रियता से कार्य करने की आवश्यकता है। प्रदेश की भाजपा सरकार प्रशासन पर दबाव बनाकर और सहकारिता जुड़े प्रतिनिधियों के साथ सहकारिता के चुनाव में धांधली और षड्यंत्र कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की पूरी कोशिश करेगी, जिससे सहकारिता चुनाव में निष्पक्षता की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता और गंभीरता से सहकारिता के चुनावों में कांग्रेस के एक-एक व्यक्ति को डटकर सरकार और भाजपा की कूटरचना का मुकाबला करना होगा।

श्री यादव ने कहा कि आज सम्पन्न हुई बैठक में सहकारिता चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई तथा आगामी रणनीति तैयार की गई। बैठक में जिला स्तर पर पूर्व सांसद, विधायक, सहकारिता समितियों के पूर्व पदाधिकारियों को कमेटियां गठित कर कार्यक्रमों को आगे संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया। श्री यादव ने कांग्रेस पक्ष के सहकारिता से जुड़े व्यक्तियों को चुनावों में सक्रियता से भाग लेने एवं स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से चुनाव सम्पन्न कराने का सहकारिता से जुड़े प्रतिनिधियों एवं आमजनों से आव्हान किया।

भोपाल। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल स्थित निज निवास पर मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।

भोपाल। भोपाल में भारत सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनके भोपाल स्थित बंगले, मामा के घर पर वरिष्ठ पत्रकार देवेश शर्मा एडवोकेट ने मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वरमाला डालकर लापता युवती पति के साथ थाने पहुंची

ग्वालियर। पांच दिन से लापता हुई युवती वर माला डालकर एक युवक के साथ थाने पहुंची और पुलिस अफसरों को बताया कि वह बालिग है और उसने शादी कर ली है। अब वह अपने माता-पिता के साथ नहीं जाना चाहती और पति के साथ रहेगी। युवती के बयान के बाद पुलिस ने उसके मायके पक्ष को भी थाने बुला लिया और परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी बात पर अड़ी रही और पुलिस ने उसे पति के साथ रवाना कर दिया।

मुरार थाना प्रभारी मदनमोहन मालवीय ने बताया कि काली माता मंदिर के पास सुरैयापुरा निवासी 22 वर्षीय रजनी जाटव बीती 24 जून को लापता हो गई थी और उसके लापता होने पर परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी कि बीते रोज वह एक युवक के साथ वरमाला पहनकर थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि वह थाटीपुर निवासी मोहित जाटव के साथ गई थी और उसने शादी कर ली है। उसके साथ कोई घटना नहीं घटी है। गुमशुदगी दर्ज होने के चलते पुलिस ने उसके पिता को भी सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन थाने पहुंचे और रजनी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसने साफकर दिया कि वह अपने पति के साथ ही रहेगी और माता-पिता के साथ नहीं जाना है। जिसके बाद पुलिस ने उसे पति के सुपुर्द कर दिया।

लॉयंस क्लब एलीट की नई अध्यक्ष बनीं भारती मोदी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लॉयंस क्लब एलीट ने अपनी नई कार्यकारिणी का चयन किया है। पूर्व अध्यक्ष लॉयन इंजी.नीता बांदिल ने बताया कि भारती मोदी को अध्यक्ष, ज्योति मोदी को सचिव और मयूरी गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई टीम सामाजिक सेवाओं और कार्यक्रमों को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष भारती मोदी, जो समाज सेवा में कई वर्षों से सक्रिय रही हैं, ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य है कि लॉयन्स क्लब एलीट समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करे और जरूरतमंदों की मदद करें। लॉयंस क्लब एलीट की नई कार्यकारिणी ने अपने सदस्यों के साथ मिलकर आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया है।

नए स्वरूप में लागू किए गए कानून की जानकारियां आमजन तक पहुँचाएं: मुख्यमंत्री

व्हीसी में संभागायुक्त, आईजी, कलेक्टर एवं एसपी हुए शामिल

ग्वालियर। प्रधानमंत्री की पहल पर देश में गुलामी की निशानियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न कार्य हो रहे हैं। इस क्रम में एक जुलाई से देश में अनेक कानून नये स्वरूप में लागू होंगे। दंड के स्थान पर न्याय का महत्व बढ़ें एवं भारतीय नागरिकों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके, इस चिंतन से तीन पुराने कानून निरस्त कर नए कानून बनाए गए हैं। आम जन तक इनकी जानकारी पहुँचाने के सभी प्रयास किए जाएं। यह बात मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने रविवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक में कहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे विधेयक एवं अधिनियम में भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 में बदलाव किया गया है। भारतीय दंड संहिता 1860 को भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आमजन को विभिन्न सेमीनार और वेबीनार के माध्यम से भी इन कानूनों की जानकारी प्रदान की जाए। अभियान संचालित कर नये कानूनों की जानकारियों को प्रचारित किया जाए। वीडियो कांफ्रेंस में पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रदेश के सभी 982 थानों में नए कानूनों की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी एक जुलाई को हो रहे हैं। पुलिस कर्मियों को इनका विस्तृत विवरण प्रदान किया गया है। पूर्व में नए कानूनों से संबंधित प्रदर्शनियां भी लगाई गई हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभाग आयुक्त मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, निगम आयुक्त हर्ष सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, वन मण्डलाधिकारी अंकित पाण्डेय एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।